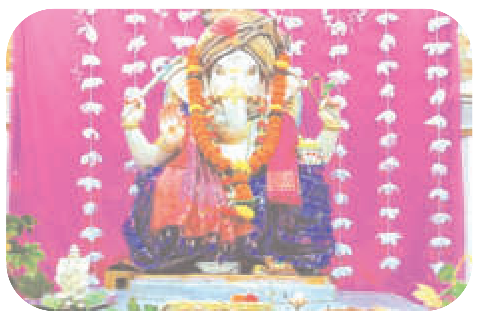

मध्यप्रदेश का सबसे तेज बढ़ता सांध्य दैनिक

अमृत दर्शन

भोपाल, नर्मदापुरम एवं रायसेन से एक साथ प्रकाशित

RNI NO. 50259/90
वर्ष : 36
अंक : 180
भोपाल, सोमवार
01 सितंबर 2025
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रु.

www.amritdarshan.com
Email : amritdarshan@yahoo.com

03 भगवान श्री गणेश, राधा कृष्ण को लगाया छप्पन भोग

विश्वास सारंग के नेतृत्व में निकली 5 किमी लंबी फिट... 06

189 भाषाओं में देख सकेंगे पंचांग, तिथि, नक्षत्र

सीएम हाउस के प्रवेश द्वार पर वैदिक घड़ी का सीएम ने किया लोकार्पण

विक्रमादित्य वैदिक घड़ी से जुड़े मोबाइल ऐप का भी लोकार्पण

शौर्य स्मारक से मुख्यमंत्री निवास तक निकली रैली

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री निवास के नवनिर्मित प्रवेश द्वार पर स्थापित की गई विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का आज सीएम डॉ. मोहन यादव ने अनावरण किया। इस मौके पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल, मंत्री कृष्णा गौर, विधायक रामेश्वर शर्मा और विष्णु खत्री मौजूद रहे। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए उज्जैन से 51 ब्राह्मण मुख्यमंत्री निवास पहुंचे।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विक्रमादित्य वैदिक घड़ी से जुड़े मोबाइल ऐप का भी लोकार्पण किया। कार्यक्रम में मंत्री विश्वास सारंग ने कहा- अगर हम मंत्रियों को एक-एक घड़ी भेंट कर दी जाए तो हम भी अपने घरों में इसे स्थापित कर सकें। इस दौरान भोपाल सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि आज से भारत के समय की नई परिभाषा लिखी जा रही है। उन्होंने कहा- जब हम मां की कोख में आते हैं तो ईश्वर प्रारब्ध पहले ही लिख देता है। मुख्यमंत्री जी ने वैदिक घड़ी लगवाकर वास्तव में भारत के समय की पुनर्स्थापना का ऐतिहासिक कदम उठाया है। हम सौभाग्यशाली हैं कि हमारा जन्म हिंदू संस्कृति में हुआ है। यह घड़ी हमें काल गणना की वैदिक परंपरा से जोड़ेगी और भारत को सोने की चिड़िया बनने की दिशा में आगे बढ़ाएगी।

मंत्री कृष्णा गौर ने कहा- आज हमारा मुख्यमंत्री निवास विरासत और विकास का साक्षी बन रहा है। इस घड़ी के माध्यम से हमें अपना स्वाभिमान लौटा है। मैं युवाओं से कहना चाहती हूं कि भविष्य आपके कंधों पर टिका है। मध्यप्रदेश के युवा दुनियाभर में नाम रोशन कर रहे हैं। मुख्यमंत्री का संबल आपके साथ है और मुझे विश्वास है कि आप आगे बढ़कर प्रदेश और देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे।

सीएम का युवाओं से संवाद, निकाली रैली

शौर्य स्मारक पर कॉलेज, विश्वविद्यालय के युवा, छात्र-छात्राएं एकत्रित हुए। शौर्य स्मारक से रवींद्र भवन तक बाइक रैली निकाली गई। रवींद्र भवन में गाड़ियां पार्क कर रैली में शामिल युवा पैदल मार्च करते हुए मुख्यमंत्री निवास के द्वार तक पहुंचें। इस मौके पर विक्रमादित्य वैदिक घड़ी : भारत के समय की पुनर्स्थापना की पहल विषय पर युवा संवाद कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। जिसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव युवाओं से संवाद किया।

अद्भुत है विक्रमादित्य वैदिक घड़ी

वैदिक घड़ी में भारतीय कैलेंडर और कालक्रम को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ा गया है। 189 से ज्यादा भाषाओं में देखी जा सकने वाली इस अनोखी घड़ी से समय, पंचांग, तिथि, नक्षत्र, योग, दिन, महीना, व्रत और त्योहारों की जानकारी भी मिलेगी। विक्रमादित्य वैदिक घड़ी भारतीय काल गणना पर आधारित विश्व की पहली घड़ी है। भारतीय काल गणना सर्वाधिक विश्वसनीय पद्धति का पुनर्स्थापन विक्रमादित्य वैदिक घड़ी के रूप में उज्जैन में पीएम नरेन्द्र मोदी द्वारा 29 फरवरी 2024 को किया गया था, जिसे देश और दुनिया में अच्छा प्रतिसाद मिला।

पूर्वी अफगानिस्तान में भूकंप से तबाही

गांव के गांव बर्बाद, 622 लोगों की मौत, 1300 घायल

काबुल। पूर्वी अफगानिस्तान में पाकिस्तान सीमा के पास आए एक शक्तिशाली भूकंप से कई गांवों को तबाह कर दिया है। इलाके में भारी नुकसान पहुंचा है। इस भूकंप में अब तक 622 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि कम से कम 1300 अन्य घायल हुए हैं। खोज और बचाव दल के इलाके में पहुंचने के साथ ही मृतकों और घायलों की संख्या बढ़ने की आशंका है। तालिबान सरकार के एक प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि अफगानिस्तान के पूर्वी हिस्से में आए भूकंप में कम से कम 610 लोग मारे गए और 1,300 घायल हुए हैं। गृह मंत्रालय के प्रवक्ता अब्दुल मतीन कानी ने हताहतों की संख्या की पुष्टि करते हुए कहा कि देर रात आए भूकंप में कुनार में 610 लोग मारे गए और 1,300 घायल हुए। कई घर तबाह हो गए हैं। कानी ने बताया कि नंगरहार में एक दर्जन लोगों की मौत हो गई और सैकड़ों लोग घायल हो गए। इससे पहले रविवार देर रात आए भूकंप ने पड़ोसी नंगरहार प्रांत के जलालाबाद शहर के पास कुनार प्रांत के कई कस्बों को बर्बाद कर दिया। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के मुताबिक, रात 11:47 बजे आए 6.0 तीव्रता के भूकंप का केंद्र नंगरहार प्रांत के जलालाबाद शहर से 27 किलोमीटर पूर्व-उत्तर-पूर्व में था। यह महज आठ किलोमीटर की गहराई में था। कम तीव्रता वाले भूकंप ज्यादा नुकसान पहुंचाते कुनार आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने एक बयान में कहा कि नूर गुल, सोकी, वातपुर, मनोगी और चापादारे जिलों में कम से कम 250 लोग मारे गए और 500 अन्य घायल हुए। जन स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता शराफत जमान ने कहा, बचाव अभियान अभी भी जारी है। कई गांव पूरी तरह से तबाह हो गए हैं। शहीदों और घायलों के आंकड़े बदल रहे हैं। कुनार, नंगरहार और राजधानी काबुल से चिकित्सा दल इलाके में पहुंच चुके हैं। उन्होंने कहा कि कई इलाकों से हताहतों की संख्या की सूचना नहीं मिल पाई है। मौतों और घायलों की सूचना मिलने पर आंकडों में बदलाव की आशंका है।

एससीओ समिट...एक मंच पर तीन महाशक्तियां... साथ नजर आए पीएम मोदी, पुतिन और जिनपिंग, पाकिस्तान के पीएम शहबाज अलग थलग नजर आए। पीएम मोदी ने पुतिन को गले लगाया। ये तस्वीरें दुनिया को खास संदेश दे रही हैं।

एससीओ समिट में भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत

चीन की धरती से पहलगाम हमले की कठोर शब्दों में निंदा, पाक को झटका

नई दिल्ली ■ एजेंसी

चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग परिषद (एससीओ) समिट में भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत हुई है, पहलगाम आतंकी हमले को लेकर सभी देशों ने एक सुर में उसकी निंदा की है। पीएम नरेंद्र मोदी ने भी अपने बयान में पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र किया था। अब एससीओ देशों ने उसका समर्थन किया है और आतंकवाद पर एक बयान जारी किया गया है। इसके मायने ज्यादा इसलिए निकाले जा रहे हैं क्योंकि चीन की धरती से, पाकिस्तान की मौजूदगी में यह बयान आया है। एससीओ ने अपने जारी बयान में कहा है कि सभी देश 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कठोर शब्दों में निंदा करते हैं। मृतकों के परिवारों के प्रति हमारी संवेदना है। ऐसे हमलों के अपराधियों, आयोजकों और प्रायोजकों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए।

अब जानकारी के लिए बता दें कि इससे पहले पीएम मोदी ने एससीओ बैठक में ही बिना नाम लिए पाकिस्तान को घेरा था और आतंकवाद पर काफी खरी-खरी सुनाई। पीएम मोदी ने कहा था कि इस वर्ष भारत ने ज्वाइंट इंफार्मेशन ऑपरेशंस को लीड करते हुए आतंकी संगठनों से लड़ने की पहल की है। टेरर फाइनेंसिंग के खिलाफ आवाज उठाई है। इस पर मेरे समर्थन के लिए मैं आभार व्यक्त करता हूं। भारत पिछले 4 दशकों से आतंकवाद का दंश झेल रहा है। कितने ही बच्चे खोए और कितने ही बच्चे अनाथ हो गए। अभी हाल ही में पहलगाम में आतंकवाद का बहुत ही घिनौना रूप देखा है। इस दुख की घड़ी में जो मित्र देश हमारे साथ खड़े रहे, मैं उनका आभार व्यक्त करता हूं।

मुश्किल समय में भारत और रूस एक दूसरे के साथ रहे, पीएम मोदी का संदेश

- मृतकों के परिजनों के प्रति सभी ने प्रकट की अपनी संवेदना
- आरोपियों को न्याय के कटघरे में लाने की बात हुई
- पीएम मोदी ने बिना नाम लिए पाकिस्तान को घेरा
- आतंकवाद पर दोहरा चरित्र दिखाने पर कई को घेरा
- शहबाज शरीफ रह गए चुप, भारत के पक्ष में आया बयान

पाक पीएम शहबाज को तवज्जो नहीं : समिट से कुछ दूसरी तस्वीरें भी सामने आई हैं जो पाक के लिए किसी झटके से कम नहीं। एक तस्वीर की काफी चर्चा हो रही है जहां पर शहबाज शरीफ तो अकेले खड़े हैं, लेकिन वहीं दूसरी तरफ पीएम मोदी, पुतिन और शी जिनपिंग बातचीत कर रहे हैं।

एक ही कार से मुलाकात स्थल पर पहुंचे दोनों नेता

तियानजिन। पीएम मोदी और रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने चीन के तियानजिन में द्विपक्षीय बैठक की। पीएम मोदी और पुतिन बैठक स्थल तक एक ही कार से पहुंचे। दोनों की एक ही कार में बैठी तस्वीर सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगी। इस बीच मोदी ने एक्स पर लिखा, एससीओ शिखर सम्मेलन स्थल पर कार्यवाही के बाद पुतिन और मैं द्विपक्षीय बैठक स्थल के लिए एक साथ यात्रा पर निकले। उनके साथ बातचीत हमेशा ज्ञानवर्धक होती है।

पीएम मोदी ने पुतिन को लगाया गले, जिनपिंग से हंसते हुए की बात

नई दिल्ली ■ एजेंसी

पीएम मोदी शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए चीन पहुंचे हैं। वहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और अन्य राष्ट्राध्यक्ष/शासनाध्यक्ष चीन के तियानजिन में शंघाई सहयोग परिषद के सदस्य सत्र में शामिल हुए। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने पुतिन और जिनपिंग के साथ बातचीत की। पीएम ने स्टह शिखर सम्मेलन स्थल पर पहुंचने पर रूस के राष्ट्रपति पुतिन को गले भी लगाया। समिट में पीएम मोदी, शी जिनपिंग और पुतिन की केमिस्ट्री लोगों का ध्यान खींच रही है। सामने आई तस्वीरों में तीनों को एक-दूसरे के साथ हंस-हंसकर बातें करते हुए देखा जा सकता है। दस सदस्यीय एससीओ के राष्ट्राध्यक्षों का शिखर सम्मेलन सोमवार को चीन के तियानजिन में शुरू हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने संगठन के अन्य नेताओं के साथ मिलकर इस समूह की भावी दिशा तय करने के लिए एक दिवसीय शिखर सम्मेलन में विचार-विमर्श शुरू किया। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने नेताओं का स्वागत किया। शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन के सोमवार को शुरू होने से पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ अपनी बातचीत की तस्वीरें पोस्ट कीं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, तियानजिन में बातचीत जारी है! एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान राष्ट्पति पुतिन और राष्ट्पति शी जिनपिंग के साथ विचारों का आदान-प्रदान।

अंतर्मना उवाच

पर्वों के पर्वराज का पांचवा चरण - उत्तम सत्य

सत्य नहीं होता परिभाषित- रहता मात्र अनुभव गम्य..!

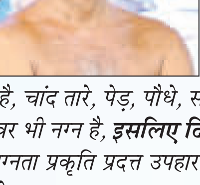

तुम *- तुम्हारी उम्र से नौ महिने बड़े हो, यह बात सिर्फ एक ही शख्स जानता है।* ***सत्य को शब्दों का जामा नहीं पहनाया जा सकता है क्योंकि जो नग्न है वही सत्य है।*** *जैसे - धरती नग्न है, आकाश नग्न है, चांद तारे, पेड़, पौधे, सागर, सरिता, पशु, पक्षी, जानवर भी नग्न है,* ***इसलिए दिगंबर जैन संत भी नग्न है।*** *नग्नता प्रकृति प्रदत्त उपहार है जिसे हम नकार नहीं सकते।*

उत्तम सत्य धर्म कहता है *- दिखावे का जीवन बहुत जी लिया, अब यथार्थ के जीवन से जुड़ें और सत्य का जीवन जीयें।* ***अभी हम आकाश में जीते हैं, कल्पनाओं में उड़ते हैं, इसलिए सत्य के दर्शन से वंचित रह जाते हैं।*** *अभी हम पृथ्वी पर रहते हैं और आकाश की बातें करते हैं। जिस पृथ्वी पर रहना है, जीना है, चलना है, मरना है और भी बहुत कुछ करना है, हम उस पृथ्वी की बात नहीं करते। हम आकाश की बातें करके अपने* ***मैं*** *को पुष्ट करते हैं, इसलिए सत्य से दूर हो जाते हैं।*

सत्य एक है, असत्य अनंत है। *धर्म सत्य है, अग्नि सत्य है, मृत्यु सत्य है। जो सत्य तुम्हें बांध ले, वह सत्य नहीं सम्प्रदाय है। सम्प्रदाय बांधता है, सत्य - मुक्त करता है।* ***सत्य मुक्ति प्रदाता है, सत्य से बढ़ कर दूसरा कोई मुक्ति दाता नहीं है।*** *सत्य ही शिव है, सत्य ही सुंदर है, सत्य ही परमात्मा है।*

उत्तम सत्य का अर्थ है मौन हो जाना। *मोबाइल आने के बाद आदमी झूठ बोलने में मास्टर माइंड बन गया है।*

मोबाइल रखने का अर्थ है.. झूठ बोलने का लाइसेंस...!!!

■ **अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज**

एससीओ सम्मेलन के बीच नरम पड़े ट्रंप प्रशासन के तेवर

भारत-अमेरिका का रिश्ता 21वीं सदी के लिए निर्णायक

नई दिल्ली ■ एजेंसी

चीन के तियानजिन में एससीओ शिखर सम्मेलन आयोजित हुआ। पूरी दुनिया की निगाहें इस सम्मेलन पर थी। खासकर अमेरिका द्वारा दुनिया के कई देशों पर भारी-भरकम टैरिफ लगाए जाने से उपजे तनाव के बीच यह बैठक हो रही थी। अब ऐसा लग रहा है कि भारत-चीन और रूस के बीच बढ़ती नजदीकियां देखकर अमेरिका के तेवर नरम पड़ गए हैं। दरअसल जिस वक्त पीएम मोदी चीन के तियानजिन में मौजूद रहे, उसी वक्त नई दिल्ली स्थित अमेरिकी दूतावास ने भारत-अमेरिका संबंधों को लेकर ट्वीट किया है। अमेरिकी दूतावास ने लिखा कि, अमेरिका और भारत के बीच साझेदारी लगातार नई ऊंचाइयों को छू रही है। यह 21वीं सदी का एक निर्णायक रिश्ता है। इस महीने, हम उन लोगों, प्रगति और संभावनाओं पर प्रकाश डाल रहे हैं जो हमें आगे बढ़ा रहे हैं। नवाचार और उद्यमिता से लेकर रक्षा और द्विपक्षीय संबंधों तक, यह हमारे दोनों देशों के लोगों के बीच की स्थायी मित्रता ही है जो इस यात्रा को ऊर्जा प्रदान करती है।

आज 17 जिलों में भारी बारिश का यलो अलर्ट

बालाघाट में आकाशीय बिजली गिरने से तीन कॉन्स्टेबल घायल, भोपाल में सुबह तेज बारिश

भोपाल ■ अमृत दर्शन

स्ट्रॉन्ग सिस्टम के एक्टिव होने से मध्यप्रदेश में तेज बारिश का दौर चल रहा है। भोपाल में आज सुबह 5 बजे डेढ़ घंटे तेज बारिश हुई। ग्वालियर-रतलाम और सतना में भी पानी गिरा। मंदसौर में शिवना नदी उफान पर है। इंदौर और उज्जैन संभाग में अगले 3 दिन भारी बारिश का अलर्ट है। बालाघाट में रविवार देर रात आकाशीय बिजली गिरने से तीन कॉन्स्टेबल घायल हो गए। जिले के माओवाद प्रभावित किरनापुर थाना क्षेत्र के गोमुख पहाड़ी में सर्चिंग कर रहे हाकफोर्स के तीन जवान बिजली चपेट में आ गए।

रतलाम में बाढ़ के हालात

ग्रामीणों ने कार सवारों को बचाया

रतलाम जिले में बारिश का दौर जारी है। नदी-नाले उफान पर हैं। जावरा से आ रही एक कार उपलई गांव में बहने लगी। फिर पलट गई। ग्रामीणों ने कार सवार लोगों को बाहर निकाला। कार को सीधा किया। जिले में उसरगार और अमलेटा गांव के बीच नाले की पुलिया तेज बहाव के कारण धंस गई है।

पटना में वोट अधिकार यात्रा का ग्रैंड फिनाले

राहुल-तेजस्वी की पदयात्रा पुलिस ने डाकबंगला चौराहे पर रोकी

पटना ■ एजेंसी

बिहार में इंडिया ब्लॉक का वोट अधिकारी यात्रा का अंतिम पड़ाव शुरू हो गया है। इस यात्रा का समापन पटना के गांधी मैदान से अंबेडकर पार्क तक एक विशाल रैली के साथ होगा, जिसमें इंडिया गठबंधन के कई प्रमुख नेता भाग ले रहे हैं। हालांकि, पटना पुलिस ने डाक बंगला चौराहे पर बैरिकेड्स लगाकर यात्रा को रोकने की तैयारी शुरू कर दी है। साथ ही पूरे इलाके में भारी पुलिस बल तैनात कर दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस पदयात्रा को रोक दिया गया है। पुलिस द्वारा डाकबंगला चौराहे पर पदयात्रा को रोकने के बाद विपक्षी नेताओं ने यहीं पर अपना संबोधन शुरू कर दिया है। दरअसल, 17 अगस्त को सासाराम से शुरू हुई ये 16 दिवसीय, 1300 किलोमीटर से अधिक की यात्रा, जिसने बिहार के 23 जिलों को कवर किया है। इस यात्रा का उद्देश्य मतदाता सूची में कथित हेराफेरी के खिलाफ जन जागरूकता पैदा करना है। इस यात्रा में राहुल-तेजस्वी समेत इंडिया ब्लॉक के कई वरिष्ठ नेता शामिल हैं।

संक्षिप्त समाचार

बालकनी से गिरी 20 वर्षीय युवती, 4 घंटे इलाज के बाद दम तोड़ा

इंदौर। कपड़े सुखाने के लिए दूसरी मंजिल की बालकनी में गई, पैर फिसला और नीचे गिर गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है। इंदौर के तिलक नगर इलाके में रविवार दोपहर एक दर्दनाक हादसा हुआ। 20 वर्षीय छात्रा खुशी बंसल कपड़े सुखाने के लिए दूसरी मंजिल की बालकनी में गई थी, तभी उसका पैर फिसल गया और वह नीचे गिर गई। गंभीर चोट लगने के बाद परिवारजन उसे तुरंत एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे। करीब चार घंटे तक इलाज चला, लेकिन गंभीर सिर की चोट के चलते खुशी की मौत हो गई। तिलक नगर पुलिस के मुताबिक, खुशी निवासी संविद नगर की रहने वाली और बीए प्रथम वर्ष की छात्रा थी। हादसे के समय परिवार घर में ही मौजूद था। खुशी के भाई राजू ने बताया कि परिवार किराए के मकान की दूसरी मंजिल पर रहता है। पिता सिक्योरिटी गार्ड हैं, जबकि भाई निजी काम करते हैं। खुशी तीन भाई-बहनों में सबसे छोटी थी। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। हादसे की पूरी परिस्थितियों को खंगाला जा रहा है।

जबलपुर में पनागर से लापता व्यक्ति का कंकाल मिला

जबलपुर। पनागर के चकहा नाला के पास झाड़ियों से पुलिस को सोमवार सुबह एक नर कंकाल मिला है। कपड़े, आईडी कार्ड और अन्य सामान के आधार पर उसकी पहचान 60 वर्षीय बिहारी लाल काछी के रूप में हुई है। वे 4 अगस्त से लापता थे। परिजनों ने मोहन लोधी और रहमान पर हत्या का संदेह जताया है। वहीं पुलिस पर इस केस में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव पोस्ट मार्टम के लिए मर्चुरी भेज दिया है। शव मिलने के बाद बिहारी लाल के परिजनों को बुलाया गया, जिन्होंने कपड़े, आईकार्ड सहित अन्य सामान के आधार पर उनकी पहचान की। बिहारी लाल 4 अगस्त को काम पर फैक्ट्री गए थे, इसके बाद नहीं लौटे। परिजनों ने 6 अगस्त को पनागर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई थी और पडुआ तिराहे पर उन्हें मोहन काछी, रहमान एवं तीन-चार अन्य लोगों के साथ देखे जाने की जानकारी दी थी। उनका आरोप है कि पुलिस ने तलाश और जांच करने में लापरवाही बरती।

नर्मदापुरम शहर में 12 घंटे में 3.8 इंच पानी गिरा

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम में रविवार शाम से सोमवार सुबह तक लगातार बारिश का सिलसिला जारी रहा। शहर में पिछले 12 घंटे में 3.8 इंच पानी गिरा। सोमवार सुबह भी हल्की बारिश और बादलों ने मौसम को ठंडा रखा। रविवार शाम करीब 45 मिनट की तेज बारिश ने शहर की हालत बिगाड़ दी। जयस्तंभ क्षेत्र और आसपास के बाजार में डेढ़ से दो फीट तक पानी भर गया। दुकानों और होटलों में पानी घुस गया, सड़क किनारे लगी दुकानों की सब्जियां बह गईं। जिला अस्पताल परिसर में भी पानी भर गया। जिले में 1 जून से 1 सितंबर तक अब तक औसत 45.22 इंच बारिश दर्ज की गई है। यह पिछले साल की इसी अवधि के 41.45 इंच बारिश से अधिक है। मौसम विभाग ने आने वाले दिनों में भी हल्की से मध्यम बारिश की संभावना जताई है।

रायसेन में उफनती नदी में पलटा गैस टैंकर

रायसेन। रायसेन में रविवार रात एक गैस टैंकर नदी में पलट गया। हादसा सिलवानी के बम्होरी देवनगर मार्ग पर हुआ। टैंकर भोपाल की ओर जा रहा था इसी दौरान बम्होरी से छीतापार गांव की ओर बढ़ रहा था। इक्यावन नदी की पुलिया पर करीब 2 से 3 फीट पानी भरा था। चालक को पानी की सही गहराई का अंदाजा नहीं था। चालक ने लापरवाही बरतते हुए गैस सिलेंडर से भरे टैंकर को उफनती नदी में उतार दिया। टैंकर पुलिया पार भी नहीं कर पाया और नीचे उतरकर पलट गया। चालक और क्लीनर ने तुरंत टैंकर से छलांग लगा दी। दोनों ने मुश्किल से अपनी जान बचाई। घटना बम्होरी थाना क्षेत्र की है। हादसे में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। प्रशासन मौके पर पहुंच घटना के विषय में जानकारी लेकर जांच की जा रही है।

ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौत, गणेश दर्शन करने आई थी

हरदा। हरदा में रविवार रात करीब 10-15 बजे एक 22 साल की महिला की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। टिमरनी के वार्ड नंबर 9 के लोधी मोहल्ले की रहने वाली अश्विनी वर्मा अपने पति नितिन वर्मा के साथ हरदा में गणेश प्रतिमाओं के दर्शन करने आई थी। घटना डबल फाटक के पास हुई, जहां फाटक बंद था। नितिन के टॉयलेट जाने के दौरान अश्विनी बाइक के पास खड़ी थी। इसी दौरान वह बंद गेट को पार करने का प्रयास करने लगी। हरदा स्टेशन से खंडवा की ओर जा रही पैसेंजर ट्रेन को देख वह वापस मुड़ी। इसी समय दूसरी तरफ से आ रही पवन एक्सप्रेस की चपेट में आ गई। टक्कर इतनी तेज थी कि महिला का शव करीब 100 मीटर दूर जा गिरा। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा बनाया और शव को जिला अस्पताल की मर्चुरी में रखवाया। पुलिस के अनुसार ये हादसा डाउन ट्रैक के गेट नंबर 204 के पास हुआ।

उज्जैन में पंडाल को ज्वेलरी की दुकान जैसा बनाया

एक करोड़ के आभूषण वाले सेठ गणेश बही-खाता, तौल-कांटा, लैपटॉप रखा

उज्जैन ■ निसं

उज्जैन के पटनी बाजार स्थित पंडाल को सोने-चांदी की दुकान और भगवान गणेश को व्यापारी के रूप में दर्शाया गया है। उन्हें एक करोड़ रुपए से अधिक के सोने के आभूषण पहनाए गए हैं।

इस पंडाल में भगवान गणपति नोट गिनने की मशीन, बही-खाता, तौल कांटा, लैपटॉप, केलकुलेटर लेकर विराजमान हैं। गणेश उत्सव के अंतिम तीन दिन रिद्धि-सिद्धि के दाता को 3 करोड़ रुपए से अधिक के आभूषणों से सजाया जाएगा। सराफ यूथ फेडरेशन के 100 व्यापारियों ने मिलकर यह पंडाल बनाया है। फेडरेशन ने रविवार से भगवान का श्रृंगार शुरू किया है और पहले ही दिन एक करोड़ रुपए की ज्वेलरी से सजाया है। सुरक्षा के लिए पंडाल के आसपास 32 कैमरे और अंदर 2 कैमरे लगाए गए हैं। दो सशस्त्र सुरक्षाकर्मी पूरे समय पहरा देते हैं।

इन आभूषणों से भगवान का पंडाल दमक रहा है। फेडरेशन अध्यक्ष प्रशांत सोनी ने बताया कि व्यापारियों ने भगवान के पंडाल को सजाने के लिए बड़ी मात्रा में ज्वेलरी दी है। आज भगवान को सोने के हार, कड़े, कान के बाले, चेन सहित अन्य आभूषण अर्पित किए हैं।

उन्होंने बताया कि 3 से 5 सितंबर तक 3 करोड़ रुपए से अधिक के सोने की ज्वेलरी से भगवान गणेश का पंडाल सजेगा। बता दें कि पिछले साल श्री गणेश का 11 लाख रुपए के नोटों से श्रृंगार किया था।

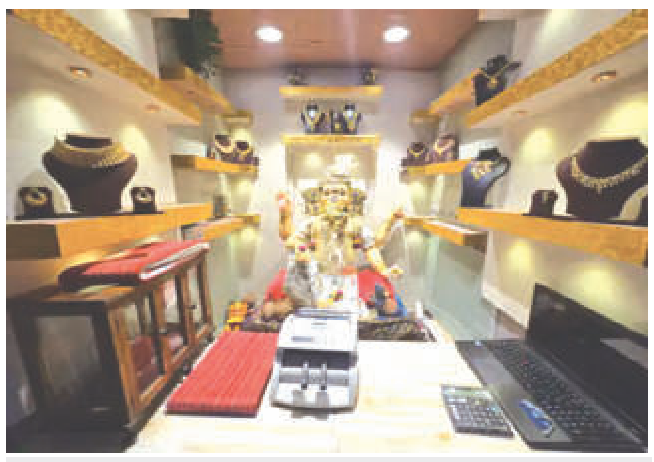

शाम 6 से रात 12 बजे तक होंगे बप्पा के दर्शन

फेडरेशन अध्यक्ष प्रशांत सोनी के मुताबिक रोज शाम 6 से रात 12 बजे तक सोने के आभूषण से श्रृंगार के दर्शन होंगे। रात को शयन आरती के बाद सभी ज्वेलरी निकाल कर अपने पास रख लेते हैं। भगवान गणेश के विसर्जन के बाद सभी व्यापारियों को उनके आभूषण लौटा दिए जाएंगे।

सेठ बनाया ताकि भगवान समझ सकें परेशानी

प्रशांत सोनी ने बताया कि भगवान को साहूकार का स्वरूप इसलिए दिया है, ताकि भगवान भी समझें कि टैरिफ और सोने के भाव में रोजाना हो रहे उतार-चढ़ाव से व्यापार करने में कितनी दिक्कत हो रही है। इसीलिए उनको ज्वेलरी शॉप जैसे पंडाल पर बैठाया गया है।

पंडाल की सुरक्षा के भी पर्याप्त इंतजाम किए गए

प्रशांत सोनी ने बताया कि कीमती आभूषणों की सुरक्षा के लिए पंडाल के आसपास 32 और अंदर दो सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। दो सशस्त्र सुरक्षाकर्मी पूरे समय पहरा देते हैं। दो पुलिसकर्मी भी सुरक्षा के लिए मांगे हैं।

धुआं देख चिल्लाए बच्चे

शिक्षक के जेब में फट गया फोन, बुरी तरह घायल

शहडोल ■ निसं

धमाके में उनके दोनों पैर और हाथ गंभीर रूप से झुलस गए। साथी शिक्षकों ने उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां हालत गंभीर होने पर शहडोल रेफर किया गया।

जिले के जयसिंहनगर में एक शिक्षक के जेब में रखा मोबाइल फोन अचानक ब्लास्ट हो गया, जिससे शिक्षक बुरी तरह जख्मी हो गया। घटना के बाद अन्य शिक्षकों ने घायल शिक्षक को उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां उनकी हालत गंभीर देखते हुए वहां के डॉक्टरों ने उन्हें शहडोल रेफर किया है। अब निजी अस्पताल में शिक्षक स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। घटना उस समय हुई जब शिक्षक बच्चों की क्लास ले रहे थे।

आशीष गुप्ता जयसिंहनगर थाना क्षेत्र के नगर के रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि दो दिन पहले वह अपने निजी विद्यालय में क्लास रूम में मौजूद थे। बच्चों की क्लास ले रहे थे। तभी मोबाइल फोन उनकी जेब में था और नेट भी बंद था। तभी अचानक जेब में रखे मोबाइल से धुआं निकलना शुरू हुआ, जिसे देख बच्चों ने आवाज दी। वो तुरंत ही बच्चों से दूर भागे और जेब में रखा मोबाइल हाथों से निकलने लगे। इतने में मोबाइल फोन धमाके के साथ फट गया। हादसे में दोनों पैरों की जांग और हाथ का पंजा बुरी तरीके से झुलस गया।

घटना के तुरंत बाद आशीष के सहयोगी शिक्षकों ने उन्हें उपचार के लिए स्थानीय अस्पताल जयसिंहनगर लेकर पहुंचे, जहां प्राथमिक उपचार के बाद आशीष

लव मैरिज पर दामाद की पीट-पीटकर ले ली जान

पिता ने चेताया था- गांव लौटे तो मार देंगे बीमार मां से मिलने आया तो कर दी हत्या

ग्वालियर ■ निसं

ग्वालियर में इंटरकास्ट लव मैरिज के लिए एक लड़की मंडप के दिन ही भाग गई। इससे परिवार की समाज में बदनामी हुई तो वे बौखला गए। दोनों के एक ही गांव का होने पर पंचायत बुलाई गई, जिसमें प्रेमी के बहिष्कार की बात कही गई।

पंचायत में लड़की के पिता ने चेतावनी दी कि अब भाग गए हो तो लौटकर गांव मत आना, वर्ना मार डालेंगे। लड़के की मां बीमार हुई तो उसे गांव लौटना पड़ा। जिस पर लड़की के परिवार वालों ने गांव के बाहर घेरकर हमला कर दिया।

पंचायत में दी गई चेतावनी को पूरा करते हुए लाठी-डंडों और कुल्हाड़ी से हमला कर दिया गया। गंभीर चोट लगने के बाद 25 अगस्त को उसने दम तोड़ दिया। युवक की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट भी आ गई है। मृतक के सिर, माथे और चेहरे पर सात गंभीर घाव थे, जो कुल्हाड़ी और लाठी के थे।

इसके अलावा शरीर पर कुल 13 चोटें

पाई गईं और यही मौत की वजह बनीं। अभी डिटेल पीएम रिपोर्ट आनी बाकी है। पुलिस ने मृतक के ससुर, साले सहित 6 लोगों पर हत्या का मामला दर्ज किया है।

प्यार से शुरू हुई कहानी, हत्या पर खत्म: ग्वालियर देहात के बेलगढ़ा स्थित हरसी गांव में रहने वाला ओमप्रकाश बाथम (25) गांव में ट्रैक्टर किराए पर चलाकर जीवनयापन करता था। करीब तीन साल पहले गांव में रहने वाली 22 साल की शिवानी झा से उसे प्रेम हो गया। अफेयर की खबर परिवार को लगी तो विरोध शुरू हो गया, लेकिन ओमप्रकाश और शिवानी एक-दूसरे के साथ जीने-मरने की कसमें खा चुके थे।

विरोध बढ़ा तो दोनों सारी हदें तोड़कर घर से भाग गए। दोनों के परिवार वालों ने बेलगढ़ा थाने में गुमशुदगी दर्ज करा दी। साल 2024 में पुलिस ने दोनों को बरामद कर लिया। इसके बावजूद दोनों ने अपने-अपने घरों में कह दिया कि वे एक-दूसरे से ही शादी करेंगे।

बेटी की शादी तय की, मंडप से भाग गई

शिवानी के परिवार ने ओमप्रकाश से उसे दूर करने के लिए उसकी शादी कहीं और तय कर दी थी। दिसंबर 2024 में शादी थी। मंडप के दिन (शादी के एक दिन पहले) वह अपने प्रेमी ओमप्रकाश के साथ फिर घर से भाग गई। इससे परिवार की काफी बदनामी हुई। इसके बाद लड़की पक्ष का परिवार बेहद आक्रोशित हो गया।

सागर की सुखचैन नदी पर हादसा, 2 दिन बाद मिला था शव

उफनते रपटे से निकाली बाइक, गर्भवती पत्नी बही:पति पर केस

सागर ■ निसं

सागर में पत्नी के नदी में बह जाने पर पति के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। पुलिस फिलहाल परिजन के बयान दर्ज कर रही है। हादसा सागर जिले के देवरी में 29 जुलाई का है। पत्नी का शव 31 जुलाई को मिला था। महिला पांच महीने की गर्भवती थी। पुलिस के मुताबिक, 29 जुलाई को नागपंचमी पर वंदना साहू (28), उसका पति दशरथ साहू और ननद कविता साहू बाइक से रामघाट मंदिर गए थे। लौटते वक्त बारिश होने लगी। सुखचैन नदी पर बने रपटा (पुल) से निकालते समय बाइक फिसल गई और वंदना नदी में गिर गई। वह तेज बहाव में बह गई।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। एसडीईआरएफ ने सर्चिंग शुरू की। वंदना नहीं मिली तो जबलपुर से

वंदना साहू

एनडीआरएफ की टीम बुलाकर तलाशा गया। दो दिन बाद पचासिया गांव के पास वंदना का शव मिला। पुलिस ने शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम कराया था।

परिजन, पड़ोसियों और दोस्तों के बयान लिए: नवविवाहिता की मौत का मामला होने के कारण देवरी एसडीओपी शशिकांत सरयाम ने जांच की। वंदना के मायके, ससुराल, पड़ोसियों और दोस्तों के बयान लिए गए। घटनास्थल का मुआयना किया गया।

जांच में साफ हो गया कि दुर्घटना दशरथ की लापरवाही के कारण हुई है। इसके बाद पुलिस ने रविवार को उसके खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

चार साल पहले शादी हुई थी: वंदना सागर में सानौधा थाना इलाके के गांव की रहने वाली थी। करीब चार साल पहले उसकी दशरथ से शादी हुई थी।

ग्वालियर में प्लॉट का झांसा देकर 23 लाख की ठगी

मैनेजर की मिलीभगत से गिरवी जमीन का सौदा, कब्जा लेने पहुंचे तो हुआ खुलासा

ग्वालियर ■ निसं

ग्वालियर शहर में एक फर्जीवाड़ा सामने आया है। जहां इलाहाबाद बैंक में पहले से गिरवी रखी गई 4 प्लॉट की जमीन को एक प्राइवेट फाइनेंस कंपनी के मैनेजर की मदद से दोबारा बेच दिया गया। खरीदार ने इन प्लॉट्स के लिए 23 लाख रुपए चुका भी दिए और रजिस्ट्री करवा ली। लेकिन जब वह जमीन पर काम शुरू करने पहुंचा, तो बैंक के कर्मचारी आ गए और खुलासा हुआ कि यह जमीन पहले से ही बैंक में बंधक है। मामले का पता चलते ही खरीदार ने पुलिस से शिकायत की, जिस पर फाइनेंस कंपनी के मैनेजर सहित आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज हुआ है।

सौदे की पूरी कहानी: मुरार तिकोनिया नगर निगम कॉलोनी निवासी मदन पाल ने सुनील पाल (निवासी तिकोनिया) से वार्ड-66, गांव करगंवा के 4 प्लॉट खरीदने का सौदा 23 लाख रुपए में किया। सौदे के बाद सुनील ने उसकी मुलाकात मैग्मा फाइनेंस कंपनी लिमिटेड के मैनेजर रजनीश राठौर से करवाई। राठौर ने दस्तावेज जांचने और सर्वे करने का भरोसा दिलाया। कुछ दिन बाद उसने कहा कि जमीन पर किसी तरह का कोई बकाया या लेन-देन नहीं है और यह पूरी तरह सही है।

खरीदार को दिलाया भरोसा: रजनीश राठौर ने मदन पाल को भरोसे में लेकर लोन की प्रक्रिया शुरू कर दी। रजिस्ट्री से पहले मदन पाल ने सुनील को 8.10 लाख रुपए नकद दिए और बाकी रकम रजिस्ट्री के दिन अदा कर दी। इसके बाद चारों प्लॉट की रजिस्ट्री भी मदन पाल के नाम हो गई। खरीदार को लगा कि अब सब कुछ सुरक्षित है।

पुलिस ने दर्ज किया मामला, आरोपी फरार: 23 लाख रुपए की ठगी का एहसास होते ही मदन पाल ने विश्वविद्यालय थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। थाना प्रभारी रविन्द्र जाटव ने बताया कि बैंक में बंधक रखी जमीन को साजिशपूर्वक बेच दिया गया है। इस मामले में फाइनेंस कंपनी के मैनेजर रजनीश राठौर सहित अन्य आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर लिया गया है।

काम शुरू किया तो वहां बैंक कर्मचारी आ गए

रजिस्ट्री के बाद जब मदन पाल प्लॉट पर काम शुरू करने पहुंचे, तो वहां बैंक कर्मचारी आ गए। उन्होंने बताया कि यह जमीन पहले से इलाहाबाद बैंक में गिरवी रखी हुई है और इसकी खरीद-फरोख्त संभव ही नहीं है। यह सुनते ही मदन पाल के होश उड़ गए। जांच के लिए वह तुरंत इलाहाबाद बैंक पहुंचे, जहां से सच्चाई सामने आई।

खेत में सब्जी तोड़ते वक्त हुआ हादसा

आकाशीय बिजली से 5 लोग घायल, एक गंभीर:सतना जिला अस्पताल रेफर

सतना ■ निसं

सतना के उचेहरा थाना क्षेत्र में रविवार शाम एक हादसा हो गया। बूड़ा हार गांव में खेत में काम कर रहे 5 मजदूरों पर अचानक आकाशीय बिजली गिर गई, जिससे वे सभी बुरी तरह झुलस गए। ग्रामीणों की मदद से सभी को अस्पताल पहुंचाया गया, जहां एक मजदूर की हालत गंभीर बताई जा रही है।

घटना शाम करीब 5 बजे की है। खोह गांव के किसान शोभनाथ (45) अपने खेत में धनिया तोड़ने के लिए चार मजदूरों को लेकर गए थे। ये मजदूर धनिया गांव के बेटामन (38), कौशिल्या (45), रामप्यारी (55) और बिसराता बाई (40) थे। सभी मजदूर सब्जियां इकट्ठा कर रहे थे, तभी अचानक तेज गरज-चमक के साथ आकाशीय बिजली गिरी।

बिजली गिरने से पांचों लोग अचेत होकर गिर पड़े। शोर सुनकर आसपास के लोग और सरपंच रामभजन प्रजापति मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत ग्रामीणों की मदद से सभी घायलों को उचेहरा अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद, बेटामन को इलाज के लिए सतना जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

इसाफ बैंक डकैती मामले में बिहार से दो पकड़ाए

जबलपुर ■ निसं

जबलपुर से 50 किलोमीटर दूर खितौला स्थित इसाफ स्मॉल फाइनेंस बैंक में डकैती के मामले में बिहार एसटीएफ ने दो लोगों को हिरासत में लिया है। दोनों आरोपियों को लेकर जबलपुर पुलिस बिहार से जबलपुर के लिए रवाना हो चुकी है। यहां आने के बाद पुलिस आरोपियों से पूछताछ करेगी। बैंक से 14 किलो 800 ग्राम सोना और 5 लाख रुपए गए थे। आरोपियों से सोना और राशि मिले या नहीं, अभी स्पष्ट नहीं है।

इन लोगों को डकैती मामले में पहले से गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर पकड़ा गया है। एसडीओपी सिहोरा रामानंद कुमार कौशल ने बताया कि बिहार एसटीएफ ने राजेश दास उर्फ आकाश दास और इंद्रजीत दास को हिरासत में लिया है। उन्हें लेने बिहार गई जबलपुर पुलिस अब लौट रही है।

11 अगस्त की सुबह करीब 9 बजे हथियारबंद डकैत हेलमेट पहनकर बैंक में घुसे थे और कट्?टा दिखाकर धमकाते हुए 15 मिनट में 14 किलो 800 ग्राम सोना, 5 लाख 70 हजार रुपए नकद लेकर भाग गए थे।

60 फीट गहरे कुएं से कोबरा सांप का रेस्क्यू

2 दिन से कुएं में गिरा था 5 फीट का जहरीला कोबरा, निकलते ही की डसने की कोशिश

इंदौर ■ निसं

इंदौर में 60 फीट गहरे कुएं में 5 फीट का जहरीला कोबरा गिर गया। दो दिन से वह कुएं के अंदर ही घूम रहा था। कभी कुएं की दीवार पर चढ़ने की कोशिश करता तो कभी दीवार की ईंट पर जाकर बैठ जाता। कुएं में इतने बड़े सांप को देख कर लोग भी आश्चर्य में पड़ गए। उन्होंने सांप को बाहर निकालने के लिए स्नेक रेस्क्यू करने वाले को बुलाया। कोबरा धार रोड स्थित एक आश्रम के पीछे खेत में बने कुएं में गिरा था। कुएं से सांप को निकलना काफी मुश्किल था। क्योंकि कुएं में उतरने की जगह भी नहीं थी।

कुएं से कोबरा को निकालना मशक्कत भरा: सूचना पर स्नेक रेस्क्यू करने वाले महेंद्र श्रीवास्तव खेत पर पहुंचे। खेत पर कुआं 60 फीट से ज्यादा गहरा था। कुएं में उतरकर कोबरा सांप का रेस्क्यू करना जान जोखिम में डालने जैसा था। कुएं में जहरीला कोबरा सांप था वह भी 5 फीट का। दूसरा कुएं में इतनी अंदर गैस का भी खतरा था।

काफी मशक्कत के बाद कोबरा को बाहर निकाला जा सका।

ऐसे निकाला कोबरा सांप को: सांप को बाहर निकालने के लिए टेक्निक का इस्तेमाल करना पड़ा। सांप के बाहर आने की संभावना कम थी, लेकिन सांप की जान बचाने के लिए सारी कोशिश करने को तैयार थे। सांप को बाहर निकालने के लिए 50 फीट से ज्यादा लंबी रस्सी बुलवाई। रस्सी के अगले सिरे पर बांस बांधा। साथ ही बांस पर ही पेड़ की बड़ी टहनी बांधी गई। रस्सी की मदद से बांस को कुएं में उतारा और सांप के तक पहुंचाया। पहली बार में सांप नहीं चढ़ा, कुछ देर बाद सांप टहनी में आकर बैठ गया। जिसके बाद रस्सी की मदद से टहनी को बाहर निकाला और सांप को पकड़ा। स्नेक रेस्क्यू करने वाले श्रीवास्तव को भी जानकारी थी कि सांप हमला कर सकता है। इस बीच वहां मौजूद लोग भी इतने बड़े कोबरा सांप को देख कर सख्ते में आ गए। कोबरा सांप भी अपने बचाव में फन फैलाकर बैठ गया। इसके बाद उन्होंने सांप को रेस्क्यू किया और उसे अपने साथ लेकर आ गए, ताकि देख सके की उसे कोई जख्म या चोट तो नहीं लगी।

महेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि कोबरा सांप को दोबारा बाहर निकाला गया। इस दौरान वह काफी एक्टिव रहा था।

भोपाल। फूल माली सैनी मरार समाज द्वारा स्वर्गीय राम जी महाजन की पुण्यतिथि पर फूले भवन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले माली सैनी मरार समाज के लोगों का सम्मान समारोह फूले भवन में आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में माली समाज के प्रदेश अध्यक्ष पूर्व आईएएस जीपी माली एवं मुख्य अतिथि नगर निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी एवं पूर्व मंत्री पीसी शर्मा सहित अतिथियों के द्वारा विभिन्न लोगों को सम्मानित किया।

शाजापुर में विमुक्ति जाति सम्मान समारोह सम्पन्न

विमुक्त, घुमंतू एवं अर्धघुमंतू जाति भारतीय समाज की आत्मा है - मंत्री कुशवाहा

भोपाल ■ अमृत दर्शन

सामाजिक न्याय ,दिव्यांगजन कल्याण ,उद्यानकी एवं खाद्य प्रसंस्करण मंत्री नारायण सिंह कुशवाहा ने कहा है कि विमुक्त, घुमंतू एवं अर्धघुमंतू समुदाय भारत की आत्मा का अभिन्न हिस्सा हैं सदियों से इन समुदायों ने अपनी कठिन जीवन परिस्थितियों, गरीबी, भेदभाव और शोषण के बावजूद हिंदू धर्म और संस्कृति की रक्षा की है उन्होंने यह बात शाजापुर जिले के ग्राम खेड़ा पहाड़ में विमुक्ति जाति संम्मान समारोह में कही।

मंत्री कुशवाह ने कहा कि विमुक्त जाति के लोगो ने अपनी अदम्म देशभक्ति और परंपराओं के प्रति आस्था को अक्षुण्ण बनाए रखा इनकी जीवनशैली भारत की विविधता, लोककला, संगीत, खेल, पारंपरिक ज्ञान और संस्कृति की धरोहर को आज भी जीवित रखती है इन समुदायों का सम्मान करना हम सबका कर्तव्य है।

इस अवसर पर अनुसूचित मोर्चा राष्ट्रीय मंत्री हरीश मेवाफरोश-प्रदेश उपाध्यक्ष ओबीसी मोर्चा नानूराम कुमावत , अरुण भीमावत -विधायक, रवि पांडे जिला अध्यक्ष शाजापुर, प्रकाश नायक जिला संयोजक घुमक्कड़ समाज, मती यमुना कुछावर जिला उपाध्यक्ष भाजपा, हरिओम गोटी मंडल अध्यक्ष, नरेंद्र पाटीदार , कैलाश पटेल जिला अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग मोर्चा, भगवान सिंह राजपूत , वीरेंद्र पाटीदार , उमेश टेलर एवं सभी पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

चोरी करने घर में घुसा बदमाश, जमकर हुई धुनाई

भोपाल। ऐशबाग थाना इलाके में स्थित जगन्नाथ कॉलोनी में देर रात एक बदमाश चोरी की नियत से घर में जा घुसा। सामान चुराने के दौरान हुई आवाज सुनकर फरियादी की नींद खुल गई। उस समय बदमाश अलमारी से सामान निकाल रहा था। फरियादी ने उसे दबोचते हुए लात-घूंसों से जमकर धुन दिया। शोर की आवाजे सुनकर परिवार के अन्य लोग भी आग गये और बदमाश को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया है। थाना पुलिस के अनुसार जगन्नाथ कालोनी बांबे बैकरी वाली गली, ऐशबाग में रहने वाले आमिर अली पिता बाबू खान (32) कंस्ट्रक्शन का काम करते है। बुधवार-गुरुवार की रात वह अपने कमरे में सो रहा था। आधी रात करीब 1 बजे घर में किसी के आहट होने और सामान गिरने की आवाज होने से उनकी नींद खुल गई। जाकर देखने पर उन्हें बेडरूम में एक अज्ञात बदमाश नजर आया जो अलमारी खोलकर उसमें रखा सामान समेट रहा था। आमिर ने उसे पकड़ने की कोशिश की तब बदमाश ने खुद को बचाने के प्रयास में मारपीट करनी शुरु दी। आमिर ने भी उसकी पिटाई करते हुए मदद के लिये शोर मचाया। तब उसके भाई मौके पर पहुंचे और बदमाश को पकड़ लिया।

कार की चपेट में आये बाइक सवार वृद्ध की अस्पताल में मौत

भोपाल। शहर के अरेरा हिल्स थाना इलाके में स्थित केएन प्रधान तिराहा पर कार ने बाइक सवार वृद्ध को को टक्कर मार दी। कार की चपेट में आकर वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गए। उसे इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया जहॉ इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। थाना पुलिस के अनुसार श्यामला हिल्स में रहने वाले मोहम्मद अरीब (55) बीती 11 अगस्त को बाइक से निजी कार्य से राजभवन से पॉलीटेक्निक चौराहा की तरफ जा रहे थे। दोपहर करीब दो बजे जैसै ही वह केएन प्रधान तिराहे के पास पहुंचे तभी एक तेज रफ्तार कार चालक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में उन्हें गंभीर चोट आई थी। मौके पर तैनात यातायात पुलिस कर्मचारियों ने टक्कर मारने वाले कार चालक को रोका और उसी की कार से घायल अरीब को इलाज के लिए मालवीय नगर स्थित निजी अस्पताल पहुंचाया गया। घटना की सूचना मिलने पर परिजन अस्पताल पहुंचे वहॉ अरीब आईसीयू में भर्ती थे, और बेहोशी की हालत में थे। बाद में घरवालों ने थाने जाकर टक्कर मारने वाले कार चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया था। इलाज के दौरान गुरुवार रात उनकी हालत हालत लगातार खराब होती गई और उन्होनें दम तोड़ दिया। अस्पताल से मिली सूचना पर पहुचीं पुलिस ने मर्ग कायम कर शव को पीएम के बाद परिवार वालो को सौंप दिया है।

शहडोल की महिला जज ने इस्तीफा वापस लिया

भोपाल । शहडोल की सिविल न्यायाधीश अदिति शर्मा ने न्यायिक सेवा में वापसी कर ली है। उन्होंने जुलाई में तत्कालीन वरिष्ठ न्यायिक अधिकारी पर उत्पीडऩ का आरोप लगाते हुए इस्तीफा दिया था। अदिति शर्मा ने अपने त्यागपत्र में कहा था कि उन्हें लगातार प्रताड़ित किया जा रहा है। उनकी शिकायतों को गंभीरता से नहीं लिया गया। उन्होंने न्यायिक कार्य में बाधाएं उत्पन्न करने का भी आरोप लगाया था। मामले की जांच के लिए मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय ने दो सदस्यीय अंतरिम समिति गठित की। समिति ने अदिति शर्मा से चर्चा की। समिति ने उन्हें इस्तीफा वापस लेने की सलाह दी।

मुख्यमंत्री ने उद्योगपतियों से किया संवाद और वितरित किए आशय-पत्र

औद्योगिक और ऊर्जा क्रांति का आधार बनेगी नई हाइड्रोजन निर्माण इकाई : मुख्यमंत्री

ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में अप्रैल 2024 से अब तक 220 औद्योगिक इकाइयों को भूमि हुई आवंटित, 21 हजार से अधिक युवाओं को मिलेगा रोजगार

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मुरैना के पिपरसेवा में हो रहा हाईड्रोजन निर्माण इकाई का भूमिपूजन नई औद्योगिक क्रांति, नई ऊर्जा क्रांति और नए मध्यप्रदेश की नींव है। मुरैना की ऐतिहासिक धरती पर स्थापित हो रही यह इकाई ग्वालियर-चंबल क्षेत्र की नई विकास यात्रा का प्रतीक बनेगी। चंबल की भूमि उपजाऊ और कमाऊ होने के साथ ही टिकाऊ भी है। मुरैना जो कभी बीहड़ों के कारण जाना जाता था, आज विकास और प्रगति की नई पहचान बना रहा है। मुरैना अब सिर्फ कृषि प्रधान जिला नहीं रहा बल्कि औद्योगिक हब के रूप में भी उभर रहा है। मुरैना की गजक ग्लोबली ट्रेंड हो रही है। देश की संसद के पुराने भवन का डिजाइन भी मुरैना के मितावली मंदिर से लिया गया था।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को मुरैना जिले के पिपरसेवा में जीएचटू सोलर लिमिटेड की हाईड्रोजन निर्माण इकाई के भूमि-पूजन अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और उद्योगपतियों से संवाद कर आशय-पत्र भी वितरित किए।

देश को ग्रीन हाइड्रोजन और बैटरी एनर्जी स्टोरेज जैसी अत्याधुनिक तकनीक से जोड़ेगी यह इकाई

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी किसानों, गरीबों और लघु उद्यमियों के लिए स्वदेशी की लड़ाई लड़ रहे हैं। राज्य सरकार और प्रदेशवासी पूरी प्रतिबद्धता से उनके साथ हैं। मुरैना में आरंभ हो रही हाईड्रोजन इकाई में कोरिया और ब्रिटेन की अग्रणी कम्पनियां तकनीकी सहयोग कर रही हैं। निकट भविष्य में इससे ग्रीन हाईड्रोजन का उत्पादन किया जाएगा। परियोजना से लगभग 500 युवाओं को प्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा, साथ ही रोजगार के कई अप्रत्यक्ष अवसर भी सृजित होंगे। सात एकड़ भूमि पर बनने वाली यह परियोजना पूरे देश को ग्रीन हाइड्रोजन और बैटरी एनर्जी स्टोरेज जैसी अत्याधुनिक तकनीक से जोड़ेगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्वालियर-चंबल क्षेत्र इतिहास और संस्कृति के प्रतीक होने के साथ निवेश, नवाचार और ग्रीन एनर्जी का भी केन्द्र हैं। यहां उद्योग, पर्यटन, संस्कृति और तकनीक सभी का संगम है। हाल ही में ग्वालियर में हुई रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव में 3 हजार 500 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इस क्षेत्र में अप्रैल 2024 से अब तक 220 इकाइयों को भूमि आवंटित हुई है। जिनमें 12 हजार 500 करोड़ रूपए का निवेश किया जाएगा, जिससे 21 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार मिलेगा।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत 21वीं सदी की वैश्विक विकास यात्रा का इंजन बना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत पूरी दुनिया में एक नए आत्मविश्वास और क्षमता के साथ उभर रहा है। जी20 की सफल अध्यक्षता हो, इंडिया-मीडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमी कॉरिडोर जैसी ऐतिहासिक पहल हो या यूनाईटेड किंगडम के साथ हुआ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट, हर जगह भारत केवल सहभागी नहीं बल्कि मार्गदर्शक राष्ट्र के रूप में खड़ा है। वर्तमान में भारत विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और हम प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में तेजी से तीसरे स्थान की ओर अग्रसर हैं। मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, डिजिटल इंडिया, आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों ने भारत को 21वीं सदी की वैश्विक विकास यात्रा का इंजन बना दिया।

दादाजी धाम मंदिर में भगवान श्री गणेश, राधा कृष्ण को लगाया छप्पन भोग

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राजधानी के रायसेन रोड के पास पटेल नगर स्थित जागृत एवं दर्शनीय तीर्थ स्थल में प्रथम पूजनीय भगवान श्री गणेश जी का विशेष श्रृंगार किया गया। राधा जी के अवतरण दिवस पर राधा कृष्ण जी का विशेष श्रृंगार ,ऋषि दधीचि के जन्मोत्सव पर सभी भगवान को पंडित जी ने सभी यजमानों एवं भक्तों से विधि विधान से अभिषेक, पूजन, हवन महाआरती के पश्चात भगवान श्री गणेश एवं राधा कृष्ण को छप्पन भोग। मोदक, बेसन के लड्डू शक्कर पारा, माखन-मिश्री, खीर, रसगुल्ला, जलेबी, रबड़ी, मालपुआ, मोहनभोग, मूंग दाल हलवा,पेड़ा, काजू-बादाम बर्फी, पिस्ता बर्फी,नमकीन और मसालेदार व्यंजन मठरी, चटनी, पकोड़े, कचौरी, भुजिया, टिक्की, पापड़,दही, कढ़ी,चावल,खिचड़ी, मीठे चावल, सब्ज़ियाँ बादाम का दूध, छाछ, शिकंजी, पंचामृत।फल और मेवे केला, सेब, आलूबुखारा, , काजू, किशमिश ,बादाम,और अन्य मेवा, पान, सुपारी और सौंफ अन्य चीजों का भोग लगाया गया। इसके बाद सभी भक्तों को छप्पन भोग का महाप्रसदी वितरण किया गया।

भोपाल। महापौर मालती राय ने विधायक भगवानदास सबनानी की उपस्थिति में राधा अष्टमी के पावन पर्व पर संगीतमय महागाथा ''कृष्णायन'' का दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर करूणाधाम आश्रम के पीठाधीश्वर सुदेश शांडिल्य महाराज के अलावा प्रदेश प्रभारी महेन्द्र सिंह व बड़ी संख्या में आयोजन समिति के सदस्य एवं श्रद्धालुजन मौजूद थे।

एम्स भोपाल में कर्मयोगी जन सेवा प्रशिक्षण से मजबूत होगी 'नागरिक-प्रथम' सोच

भोपाल ■ अमृत दर्शन

एम्स भोपाल में 7 जुलाई से 4 सितम्बर 2025 तक राष्ट्रीय कर्मयोगी जन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस दौरान संस्थान के लगभग 2500 स्टाफ सदस्यों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। इस विशेष पहल का उद्देश्य है कि सभी कर्मचारी 'नागरिक-प्रथम' सोच और सेवा-भाव को और मजबूत करें, ताकि मरीजों और उनके परिजनों को और बेहतर अनुभव मिल सके। इस प्रशिक्षण के लिए एम्स भोपाल में 26 टीमों का गठन किया गया है, जिनमें 52 प्रशिक्षित फेसिलिटेटर्स शामिल हैं। ये टीमें करीब 75 एक-दिवसीय प्रशिक्षण सत्रों का संचालन करेंगी।

खास बात यह है कि इस कार्यक्रम में पारंपरिक तरीके से कोई 'ट्रेनर' नहीं होता, बल्कि 'फेसिलिटेटर' होते हैं। उनका काम प्रतिभागियों को सिखाना नहीं, बल्कि उनके भीतर पहले से मौजूद सेवा-भाव को जगाना और उसे सही दिशा देना है। राष्ट्रीय कर्मयोगी जन सेवा कार्यक्रम भारत सरकार की एक परिवर्तनकारी पहल है। इसका उद्देश्य सरकारी सेवाओं को नागरिकों के प्रति अधिक संवेदनशील, उत्तरदायी और पारदर्शी बनाना है। इस कार्यक्रम के जरिए कर्मचारियों को यह समझने का अवसर मिलता है कि जनता की सेवा केवल एक जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक नैतिक कर्तव्य है। एम्स भोपाल का मानना है कि नागरिक-केन्द्रित सेवा प्रणाली से मरीजों को न केवल बेहतर इलाज मिलेगा बल्कि उन्हें सम्मान और संवेदनशीलता से जुड़ा व्यवहार भी मिलेगा। इस कार्यक्रम के जरिए संस्थान अपने कर्मचारियों को लगातार प्रेरित कर रहा है कि वे स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक जनहितैषी और उत्तरदायी बनाएं।

रेल्वे ट्रैक पर दो टुकड़ों में मिली मार्बल कारोबारी की लाश

भोपाल। कोहेफिजा थाना इलाके में नेवरी रेलवे ट्रैक पर बीती शाम एक मार्बल कारोबारी ने ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली। शुरुआती जॉच में फिलहाल कोई सुसाइड नोट नहीं मिलने से आत्महत्या का कारण साफ नहीं हो सका है। लेकिन प्रारंभिक जांच में सामने आया की मेट्रो प्रोजेक्ट के चलते उनकी दुकान टूट गई थी, दुकान टूटने से उन्हें आर्थिक नुकसान हुआ था। इसी बात को लेकर वह काफी मानसिक तनाव में रहने लगे थे। बीती सुबह परिवार वालो को बिना घर से निकले थे, उसके वापस न लौटने पर परिजन उनकी खोजबीन में जुटे थे। पुलिस के अनुसार गोकुलधाम कॉलोनी गांधीनगर निवासी रामलाल गुर्जर (46) मार्बल कारोबारी थे। उनकी जिंसी चौराहा पर मार्बल की दुकान थी।

नेपाल के लिए रानी कमलापति-इटारसी होकर रेल रेस्टोरेंट के साथ जाएगी भारत गौरव डीलक्स एसी ट्रेन

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश के तीर्थ यात्रियों के लिए इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कारपोरेशन लिमिटेड (आईआरसीटीसी) द्वारा भारत गौरव डीलक्स एसी ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। जो 04.10.2025 को नागपुर शहर से पशुपतिनाथ (नेपाल) दर्शन यात्रा के लिए रवाना होगी।यह ट्रेन इंदौर, उज्जैन, शुजालपुर, सीहोर, रानी कमलापति, इटारसी, नरसिंहपुर, जबलपुर, कटनी एवं सतना रेलवे स्टेशनों से होते हुए जाएगी, जहॉं से यात्री इस ट्रेन पर सवार हो सकेंगे।

09 रातें/10 दिनों की इस यात्रा में चितवन राष्ट्रीय उद्यान, पोखरा एवं काठमांडू के दर्शनीय एवं धार्मिक स्थलों का भ्रमण कराया जायेगा। इसके लिए यात्रियों को महज रु. 63,850/-प्रति व्यक्ति (3AC - कम्फर्ट श्रेणी), रु. 75,230/- प्रति व्यक्ति (2AC - डीलक्स श्रेणी), रु. 91,160/- प्रति व्यक्ति (1AC - सुपीरियर श्रेणी - केबिन) एवं 99,125/- प्रति व्यक्ति (1AC - सुपीरियर श्रेणी - कूपे) का खर्च उठाना होगा।

आईआरसीटीसी, इस सर्व समावेशी टूर की पेशकश कर रहा है, जिसमें भारत गौरव डीलक्स एसी ट्रेन के विशेष रेक में आरामदायक रेल यात्रा, ऑन-बोर्ड और ऑफ-बोर्ड भोजन, (एसी I और एसी II के यात्रियों को भोजन ट्रेन के रेस्टोरेंट में परोसा जाएगा एवं एसी III श्रेणी के यात्रियों को भोजन संबंधित बर्थ पर ही परोसा जाएगा) सड़क परिवहन हेतु गुणवत्तायुक्त एसी बसों में दर्शनीय स्थलों की यात्रा, यात्रा कार्यक्रम के अनुसार आवास की व्यवस्था, यात्रा में टूर एस्कॉर्ट्स, यात्रा बीमा, ऑन-बोर्ड सुरक्षा और हाउसकीपिंग की सेवा शामिल है।

इक्छुक पर्यटक इसकी बुकिंग आई.आर.सी.टी.सी. की वेबसाइट www.irctctourism.com पर ऑनलाइन व अधिकृत एजेंट से भी करा सकते है।

हत्या के प्रयास के फरार बदमाश चार महीने बाद चढ़े पुलिस के हत्थे

भोपाल ■ अमृत दर्शन

अशोका गार्डन थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास के मामले में फरार आरोपियो को आखिरकार चार महीने बाद गिरफ्तार कर लिया है। टीआई अनुरागलाल ने बताया की बीती 14 अप्रैल 2025 को फरियादी नफीस खॉंन पिता अब्दुल रहमान (32) निवासी सेठी नगर अशोका गार्डन ने रिर्पोट दर्ज कराते हुए बताया की रात करीब 12 बजे उसका बड़ा भाई बबलू उर्फ रफीक उसे लेने के लिये परिहार चौराहे पर आया था ।

उसी दौरान एक स्कूटी चालक ने उसे पीछे से टक्कर मार दी जिससे वह गिर पडा। उसके गिरने पर दूसरा युवक छुरी लेकर आया और उसने उसे मारते हुए छुरी से उसकी पीठ पर दो वार किये, जिससे उसके शरीर से खून निकलने लगा।

धारदार हथियार से वार करने के बाद दोनो युवक अपने वाहन से फरार हो गए। थोड़ी देर बाद दोनो आरोपी युवक वापस आये और उसके भाई बबलू उर्फ रफीक पर भी जानलेवा हमला करते हुए सिर और गर्दन पर छुरी मारी। घातक वार से उसके भी खून निकल आया। इसके बाद दोनों आरोपी भाग गये। शिकायत मिलने पर अज्ञात आरोपियो के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज किया गया था।

असंगठित श्रमिकों को मुख्य धारा से जोड़ने नवाचारों से कराया अवगत, पर्यावरण सुरक्षा पर दिया जोर

भोपाल ■ अमृत दर्शन

सामाजिक अनुसंधान एवं विकास संस्थान द्वारा सर्वधर्म सी सेक्टर कोलार भोपाल में 20 से 30 अगस्त तक आयोजन हुआ। सुप्रसिद्ध बुंदेली लोकगायिका एवं समाजसेविका पुष्पलता शर्मा ने अपने उद्बोधन में स्वास्थ्य, शिक्षा एवं पर्यावरण के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा किए जाने पर जोर दिया साथ ही समाज के कमजोर वर्गों को मुख्यधारा में कैसे लाया जाय।

असंगठित श्रमिकों , दिव्यांगजन,एवं महिलाओं को आजीविका के ज्यादा से ज्यादा अवसर कैसे प्राप्त हो तथा न्यायपूर्ण सामाजिक,आर्थिक,बुनियादी अधिकारों को प्राप्त करने के अलावा बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ाने,सीखने की क्षमता बढ़ाने के अलावा नवाचारों से अवगत कराने पर जोर देने की बात कही साथ ही पर्यावरण के संतुलन के लिए पेड़ लगाने तथा जैविक खेती किए जाने जैसी आवश्यकताओं पर पर अपने विचार व्यक्त किए सुप्रसिद्ध बुंदेली लोकगायिका तथा समाजसेविका श्रीमती पुष्पलता शर्मा के उद्बोधन के पश्चात उपस्थिति जनसमुदाय ने उनका जोरदार स्वागत किया।

अनमोल वचन

शिक्षा किसी घड़े को भरने जैसा नहीं है यह तो अग्नि प्रज्वलित करने के समान है।
डब्ल्यू बी. बीट्स

अगर आप कदम उठाने से पहले सब सुनिश्चित करने की प्रतीक्षा करते हैं तो संभव है कि आप कभी ज्यादा कुछ कर ही न पाए।
अज्ञात

अनुसन्धान संस्थान में तकनीकी हिंदी जानकारों की आवश्यकता

संजय गोस्वामी

हिंदी में कर्मचारी को ट्रेनिंग भी दि जा रही है लेकिन हिंदी को अनुसन्धान संस्थान पर थोपना सही नहीं है क्योंकि विज्ञान या इंजीनियरिंग को हिंदी में कितने लोग पढ़े है यदि पढ़े भी है तो संस्थान में काम करने वाले सभी लोग पढ़े हैं क्या? क्योंकि कुछ लोगों के विज्ञान को हिंदी में पढ़ाई करने से अनुसन्धान का कार्य पूर्ण रूप से नहीं होता है क्योंकि टीम वर्क के साथ काम करना होता है।

आज हिंदी का प्रचार जोर शोर से चल रहा है और हिंदी हेतु सरकार द्वारा राजभाषा हेतु उपनिदेशक (राजभाषा) व अनुवाद अधिकारी की नियुक्ति होती है अच्छी बात है अभी हिंदी दिवस भी सामने आ रही है और अभी से ही लोग हिंदी लेख और उससे जुड़े प्रतियोगिता में भाग लेने को इक्छुक है हिंदी में कर्मचारी को ट्रेनिंग भी दि जा रही है लेकिन हिंदी को अनुसन्धान संस्थान पर थोपना सही नहीं है क्योंकि विज्ञान या इंजीनियरिंग को हिंदी में कितने लोग पढ़े है यदि पढ़े भी है तो संस्थान में काम करने वाले सभी लोग पढ़े हैं क्या? क्योंकि कुछ लोगों के विज्ञान को हिंदी में पढ़ाई करने से अनुसन्धान का कार्य पूर्ण रूप से नहीं होता है क्योंकि टीम वर्क के साथ काम करना होता है अनुसन्धान संस्थान में देश के टॉप इंजीनियरिंग कॉलेज जैसे आईआईटी, एनआईटी आदि के स्टूडेंट रहते हैं वहाँ सारा पढ़ाई इंग्लिश में होता है तकनिकी हिंदी और सिर्फ हिंदी में काफी अंतर है वहाँ हिंदी अनुवादक कार्मिक होते हैं जिसे विज्ञान और इंजीनियरिंग की पकड़ कितनी होती है वो सबको पता है नतीजा यह होता है कि टेक्निकल या इंजीनियरिंग शब्दों का हिंदी में कैसे इस्तेमाल किया जाए अंत में गूगल ट्रांसलेशन की मदद लेते हैं और कार्मिक द्वारा हिंदी ट्रांसलेशन में गलत अर्थ आता है जैसे आप फिजिकल प्रोग्रेस को हिंदी में गूगल ट्रांसलेशन करेंगे तो शारीरिक प्रगति आती है जिसे भौतिक प्रगति होना चाहिए उसी तरह परचेज ऑर्डर का गूगल ट्रांसलेट करते हैं तो खरीद आदेश आता है जबकी क्रय आदेश होना चाहिए इसी तरह प्रोक्योरमेंट को गूगल से ट्रांसलेशन करेंगे तो भी खरीद ही आता है जबकी उसका सही अर्थ प्रापण होना चाहिए आरटीडी जो एक इलेक्ट्रिकल यन्त्र है उसे गूगल से ट्रांसलेशन करने पर सेवानिवृत हो जाता है और एक ऐसा ही शब्द ञ्रद्ध जिसे जिसे टाईटेनियम कहा जाता है गूगल उसे तिवारी पकड़ लेता है ऐसे अनगिनत शब्द हैं जो विज्ञान में हिंदी में गूगल कभी सही अर्थ जो उसमें फिट होना चाहिए वो नहीं बतलाता है अत: यदि अनुसन्धान संस्थान में हिंदी को अनिवार्य करना जरुरी नहीं है नहीं तो वहाँ के साइंटिस्ट को शोध करने में कई कठिनाई का सामना करना पड़ता है ऐसे भी वैज्ञानिक खोज देश या विदेश पर निर्भर नहीं करती है वह सिद्धांत को प्रैक्टिकल के सफलता पर निर्भर करती है और जब आईआईटी और लगभग सभी इंजीनियरिंग कॉलेज में इंग्लिश में पढ़ा होता है तो अनुसन्धान संस्थान में वैज्ञानिक हिंदी में कैसे काम करेंगे अत: अनुसन्धान संस्थान में देश के विकास हेतु टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जाता है जो समय से कार्य को पूर्ण करना उसका उद्देश्य होता है तकनीकी लेखन से आशय तकनीकी और व्यावसायिक क्षेत्रों में उपयोग किए जाने वाले तकनीकी संचार को लिखने से है। उदाहरण के लिए कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, इंजीनियरिंग, रसायन विज्ञान, वैमानिकी, रोबोटिक्स, वित्त, चिकित्सा, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, जैव प्रौद्योगिकी और वानिकी जैसे तकनीकी और व्यावसायिक क्षेत्रों में उपयोग किए जाने वाले तकनीकी संचार को लिखना। अत: आज हिंदी में तकनिकी लेखन यदि शुरुआत से ही की जाए तभी इसका फायदा होगा मंगलवार (5 अगस्त, 2025) को लोकसभा को सूचित किया गया कि सरकार ने आधिकारिक संचार, केंद्रीय सेवाओं या शैक्षणिक संस्थानों में हिंदी को अनिवार्य बनाने के लिए कोई निर्देश जारी नहीं किया है।गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने डीएमके सांसद कलानिधि वीरस्वामी के एक लिखित प्रश्न के उत्तर में यह बात कही। इस प्रश्न में पूछा गया था कि क्या सरकार ने हिंदी को अनिवार्य बनाने के लिए कोई निर्देश जारी किए हैं। मंत्री ने उत्तर दिया, नहीं, महोदय।

डीएमके सांसद मथेश्वरन वी.एस. द्वारा 2014 से हिंदी के प्रचार-प्रसार पर खर्च की गई धनराशि के बारे में पूछे गए एक अलग प्रश्न का उत्तर देते हुए, मंत्री ने आँकड़े प्रस्तुत किए जिनसे पता चला कि 2014-15 और 2024 के बीच राजभाषा विभाग को आवंटित बजट से ?736.11 करोड़ खर्च किए गए हैं।लेकिन हिंदी अपने देश की भाषा है खुसबू बिखेरती है अत: हिंदी के साथ साथ क्षेत्रीय भाषा का भी सम्मान होएक प्रसिद्ध और शिक्षाप्रद दोहा है।करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान। रसरी आवत जात के सिल पर परत निशान।।

इसमें जो सबसे महत्वपूर्ण बात है वह है अभ्यास। अगर मान लिया जाए अभ्यास ही गलत हो, या गलत दिशा में किया जा रहा हो। तो सफलता मिलने की संभावना लगभग शून्य ही हो जाएगी। इसलिए हर कार्य या अभ्यास के पीछे भी गंभीरता बहुत जरूरी है। गंभीरता और मन से किया गया कार्य ही सार्थक होता है। इसके अभाव में अभ्यास निरर्थक साबित हो जाएगा। हम जो भी प्रश्नों के जवाब देते हैं वह जवाब कहीं न कहीं मौजूद भी होते हैं। अगर उस जवाब में हम अपने अनुभव द्वारा, उनमें नए उदाहरण नहीं जोड़ेंगे। तो मेरे जवाब का कोई मतलब ही नहीं रह जाएगा यानी मेरा जवाब गंभीरता पूर्वक नहीं लिया जाएगा। उसे एक तरह का कॉपी-पेस्ट ही माना जाएगा।

स्कूल के दिनों में एक कहानी पढ़ी थी कि किस तरह एक जादुई बांसुरी वाला व्यक्ति पूरे शहर के लोगों को चूहे के आतंक से आजादी दिलाता है। उस बांसुरी की आवाज में इतना खिंचाव था कि शहर के सारे चूहे उस आवाज के पीछे खींचते चले गए और शहर के बाहर दूरदराज गुफा में बंद कर दिए गए।

कहीं न कहीं यह तकनिकी हिंदी का प्लेटफार्म भी लोगों को जादुई बांसुरी वाले व्यक्ति की तरह ही अपनी ओर आकर्षित करता है और विज्ञान लेखक बगैर पारिश्रमिक के ही लगातार मेहनत करते रहते हैं। जो एक सच्चाई भी है।मेरे हिसाब से विज्ञान लेखन का जो नाता है वह कहीं न कहीं एक आकर्षण से भी जुड़ा हुआ मालूम पड़ता है।

पुरातात्विक अनुसंधानों से ज्ञात हुआ है कि आज से लगभग दस हजार वर्ष पूर्व ही मनुष्य ने फसल पैदा करना सीखा था । वेदों में भी इस काल के कृषि विकास का महत्वपूर्ण वर्णन मिलता है। ऋग्वेद तथा अथर्ववेद में कृषि, गोपालन आदि का विशद विवेचन मिलता है। इनमें फसल उत्पादन के लिये आवश्यक भूमि, भूमि की तैयारी, जल तथा सिंचाई, पादप-पोषण, फसल सुरक्षा और मौसम के बारे में बहुत कुछ पढ़ने को मिलता है । साथ ही उस समय के गोपालन के बारे में भी जानकारी मिलती है। जिसका आधुनिक विज्ञान के आधार पर परीक्षण करके बहुत लाभ उठाया जा सकता हैं। इन्हीं जानकारियों को यहाँ क्रमबद्ध रूप से प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया हैं। अलग-अलग भाषाओं के लिए अलग-अलग लिपियों का भी प्रयोग मिलता है। यूरोपीय देशों की भाषाओं के लिए रोमन लिपि का प्रयोग मिलता है। ईरान और इराक आदि देशों की भाषाओं के लिए फारसी लिपि का प्रयोग होता है। अरब देशों की भाषाओं और बोलियों के लिए अरबियन लिपि का प्रयोग होता है। भारत में संस्कृत, प्राकृत और अपभ्रंश प्राचीन भाषों का प्रयोग मिलता है। हिन्दी, मराठी, गुजराती और पंजाबी आदि आर्य भाषा- परिवार की भाषाओं के लिए अलग-अलग लिपियों का प्रयोग होते हुए भी नागरी लिपि का प्रयोग होता है। संस्कृत, प्राकृत, अपभ्रंश, मराठी, कोंकणी, नेपाली और मणिपुरी भाषाओं की अभिव्यक्ति के लिए देवनागरी लिपि का प्रयोग होता है। बांग्ला, उड़िया, असमिया आदि पूर्वी क्षेत्र की भाषाओं की अलग-अलग लिपियां हैं। परन्तु इन भाषाओं का देवनागरी लिपि के निर्माण और विकास में महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

सम्पादकीय

मनोज जारंगे आर-पार की लड़ाई के मूड में

मराठा आरक्षण के पुरोधा मनोज जारंगे इस बार आर पार की लड़ाई लड़ने की मुद्रा में है। वह मुंबई के आजाद मैदान में आमरण अनशन में बैठ गए हैं। सरकारी नौकरी और शिक्षा में मराठा समुदाय को आरक्षण देने के मुद्दे पर वह अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। उनके साथ हजारों की संख्या में आंदोलनकारी आर्थिक राजधानी मुंबई में पहुंचे हुए हैं। जिसके कारण राजधानी का पहिया एक तरह से थम गया है। शनिवार को सेवा निवृत्ति न्यायाधीश संदीप शिंदे ने मनोज जरंगे से बातचीत की। सितंबर 2023 में मराठा समुदाय को कुनबी जाति का प्रमाण पत्र एवं आरक्षण के संबंध में पूर्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने हाईकोर्ट के जज संदीप शिंदे की अध्यक्षता में कमेटी गठित की थी। पिछले 13 महीने से इस मुद्दे से संबंधित अभिलेखों की जांच यह कमेटी कर रही है। जैसा होता है, आंदोलन को टालने के लिए इस तरह की कमेटियां बना दी जाती हैं। मनोज जारंगे कई बार आंदोलन कर चुके हैं। उनके साथ लाखों लोगों ने प्रदर्शन किया, लेकिन हर बार सरकार ने उन्हें धोखा दिया है। मराठा समाज की आरक्षण मांग कोई नई-नही है। मराठा समाज 10 फ़ीसदी आरक्षण चाहता है। कुनबी समाज को मराठाओं में शामिल कराना चाहता है। महाराष्ट्र में 50 फ़ीसदी से ज्यादा आरक्षण होने के कारण सरकार के लिए यह मांग मानना संभव नहीं है। संवैधानिक मर्यादा एवं सुप्रीम कोर्ट के आदेश को ध्यान में रखते हुए महाराष्ट्र सरकार को आरक्षण का रास्ता कहीं से निकलता हुआ दिख नहीं रहा है। इस बार मनोज जारंगे अनिश्चित भूख हड़ताल पर बैठ गए हैं। इससे महाराष्ट्र सरकार के हाथ पैर फूल गए हैं। उच्च न्यायालय के सेवा निवृत्ति न्यायाधीश संदीप शिंदे गांधी मैदान पहुंचे। उन्होंने मनोज जारंगे को मनाने का प्रयास किया। न्यायाधीश संदीप शिंदे एवं सरकारी प्रतिनिधि मंडल का यह प्रयास बेनतीजा रहा। मनोज जारंगे का आंदोलन पूर्णता शांतिप्रिय है। लेकिन यह संपूर्ण महाराष्ट्र में फैल गया है। मुंबई को इसकी कीमत चुकानी पड़ रही है। पिछले दो दिनों से मुंबई की रफ्तार एक तरह से थम गई है। करोड़ों रुपए के कारोबार का नुकसान हुआ है। आंदोलन के माध्यम से मराठा आरक्षण की मांग को लेकर यह समुदाय कई प्रयास पूर्व में कर चुका है। राजनेताओं के हथकंडे के कारण अब यह आंदोलन आर पार की लड़ाई के स्तर पर पहुंच गया है। महाराष्ट्र सरकार इन दिनों कई राजनीतिक चुनौतियों से जूझ रही है। वोट अधिकार यात्रा और वोट चोरी को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी समय-समय पर महाराष्ट्र सरकार पर निशाना साध रहे हैं। बिहार में उनकी वोट अधिकार यात्रा समाप्त हो चुकी है। अब वह महाराष्ट्र में आकर कोई बड़ा विस्फोट करने वाले हैं। इसको लेकर महाराष्ट्र की राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। महाराष्ट्र सरकार ने यदि मराठा आरक्षण आंदोलन को शीघ्र समाप्त करने का प्रयत्न नहीं किया। ऐसी स्थिति में गणेश उत्सव के दौरान मुंबई में कोई बड़ा हादसा भी हो सकता है। कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर सरकार के हाथ पैर फूले हुए हैं। मनोज जारंगे किसी बात को समझने के लिए तैयार नहीं है। इस बार वह आश्वासन के मुद्दे पर अपना आंदोलन खत्म नहीं करेंगे इतना तय है। उच्च न्यायालय के सेवा निवृत्ति न्यायाधीश संदीप शिंदे गांधी मैदान पहुंचे। उन्होंने मनोज जारंगे को मनाने का प्रयास किया। न्यायाधीश संदीप शिंदे एवं सरकारी प्रतिनिधि मंडल का यह प्रयास बेनतीजा रहा। मनोज जारंगे का आंदोलन पूर्णता शांतिप्रिय है। लेकिन यह संपूर्ण महाराष्ट्र में फैल गया है। मुंबई को इसकी कीमत चुकानी पड़ रही है। पिछले दो दिनों से मुंबई की रफ्तार एक तरह से थम गई है। करोड़ों रुपए के कारोबार का नुकसान हुआ है। आंदोलन के माध्यम से मराठा आरक्षण की मांग को लेकर यह समुदाय कई प्रयास पूर्व में कर चुका है। ऐसी स्थिति में सरकार को समझ नहीं आ रहा है, वह मराठा आरक्षण आंदोलन का किस तरह से सामना करें। यदि मराठाओं को आरक्षण दिया जाता है, ऐसी स्थिति में अन्य जातियां भी आरक्षण की मांग में सड़कों पर उतरेंगी। विपक्षी राजनीतिक दल इस आंदोलन को हवा दे रहे हैं। जिसके कारण महाराष्ट्र सरकार को बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। मुंबई में गणेश उत्सव के पंडाल सजे हैं। लाखों भक्त दर्शन के लिए सड़कों पर हैं। कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर महाराष्ट्र सरकार की चिंता बढ़ गई है। मुंबई का कारोबार बुरी तरह से प्रभावित हुआ है। यह सरकार की बड़ी चिंता है। वही मनोज जारंगे का कहना है, सरकार आश्वासन देकर चुप्पी साथ लेती है। इस बार वह आरक्षण लेकर ही वापस लौटेंगे, या अपनी आहुति देंगे। मराठा आरक्षण आंदोलन को लेकर सरकार की चिंतायें बढ़ गई हैं।

पोषण भी पढ़ाई भी: भारत के भविष्य के लिए खेल-आधारित शिक्षा

श्रीमती अन्नपूर्णा देवी

आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों की खिलखिलाती हँसी में, उनके द्वारा गायी जाने वाली कविताओं में और उनके द्वारा बनाए जाने वाले ब्लॉक में हमारे राष्ट्र के भविष्य का सामर्थ्ये आकार लेता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत ने अपने सबसे छोटे नागरिकों को अपनी विकास यात्रा के केंद्र में रखा है। प्रधानमंत्री ने—न केवल विश्वविद्यालयों और डिजिटल बुनियादी ढाँचे में निवेश करके, अपितु बच्चे के जीवन की पहली कक्षा- आंगनवाड़ी के अतिशय महत्व को पहचानते हुए हमारी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को नए सिरे से परिभाषित किया

यदि हमें विकसित भारत का निर्माण करना है, तो हमें शुरुआत - अपने सबसे छोटे नागरिकों की क्षमता के विकास से करनी होगी, जहाँ से जीवन का आगाज़ होता है। आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों की खिलखिलाती हँसी में, उनके द्वारा गायी जाने वाली कविताओं में और उनके द्वारा बनाए जाने वाले ब्लॉक में हमारे राष्ट्र के भविष्य का सामर्थ्ये आकार लेता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत ने अपने सबसे छोटे नागरिकों को अपनी विकास यात्रा के केंद्र में रखा है। प्रधानमंत्री ने-न केवल विश्वविद्यालयों और डिजिटल बुनियादी ढाँचे में निवेश करके, अपितु बच्चे के जीवन की पहली कक्षा- आंगनवाड़ी के अतिशय महत्व को पहचानते हुए हमारी राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को नए सिरे से परिभाषित किया है।

आज के भारत में, खेल अब सिर्फ़ मनोरंजन भर नहीं, अपितु - नीति है। और इसके परिणाम बिल्कुल स्पखष्ट और विश्व सनीय हैं । पिछले एक दशक में, मोदी सरकार ने प्रारंभिक बाल्या?वस्था के विकास के प्रति अपने दृष्टिकोण को मूलभूत रूप से पुनर्परिभाषित किया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 निर्णायक मोड़ साबित हुई, जिसमें यह स्वीकार किया गया कि मस्तिष्क का 85 प्रतिशत विकास छह साल की उम्र से पहले ही हो जाता है। यदि हम स्मार्ट, स्वस्थ और अधिक उपयोगी आबादी चाहते हैं, तो हमें वहाँ निवेश करना होगा जहाँ इसकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत है-जीवन के शुरुआती छह वर्षों में।

वैज्ञानिक प्रमाण इस बदलाव का समर्थन करते हैं। सीएमसी वेल्लोर के क्लिनिकल महामारी विज्ञान विभाग द्वारा किए गए एक अध्ययन में पाया गया कि जिन बच्चों को 18 से 24 महीने तक व्यवस्थित प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) मिली, उनके आईक्यू में-पाँच साल की उम्र तक 19 अंक तक, और नौ साल की उम्र तक तो 5 से 9 अंक तक की उल्लेखनीय और स्थायी वृद्धि देखी गई। विकासशील भारत के लिए ये वृद्धि बेहद महत्वपूर्ण है। भारत के ये निष्कर्ष वैश्विक शोध के अनुरूप हैं। अंतर्राष्ट्रीय अध्ययनों से पता चलता है कि पाँच साल की उम्र से पहले गुणवत्तापूर्ण ईसीसीई कार्यक्रमों में भाग लेने वाले बच्चों में उच्च आईक्यू, बेहतर सामाजिक कौशल और बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन की संभावना 67 प्रतिशत अधिक होती है। जैसा कि नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. जेम्स हेकमैन की प्रसिद्ध उक्ति है,जितनी जल्दी शुरुआत,उतने बेहतर परिणाम-और उतने ही कुशल रिटर्न उनके शोध में अनुमान व्यकक्त् किया गया है कि प्रारंभिक बाल्या वस्थाट में निवेश से 13-18 प्रतिशत तक रिटर्न मिलता है-जो शिक्षा या नौकरी के प्रशिक्षण के किसी भी अन्य चरण से अधिक है। ईसीसीई के आर्थिक और सामाजिक दोनों ही प्रकार के महत्व को समझते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने पोषण भी पढ़ाई भी नामक एक पहल शुरू की है, जिसने आंगनवाड़ी केंद्रों को जीवंत प्रारंभिक शिक्षा केंद्रों में तब्दीएल कर दिया है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को पहली बार स्थानीय और स्वदेशी सामग्रियों का उपयोग कर गतिविधि-आधारित और खेल-उन्मुख दृष्टिकोणों पर ध्यान केंद्रित करते हुए व्यवस्थित रूप से ईसीसीई में प्रशिक्षित किया जा रहा है। शिक्षण-अधिगम सामग्री के लिए बजट आवंटन में भी पर्याप्त वृद्धि की गई है, और मासिक ईसीसीई दिवसों को संस्थागत रूप दिया गया है। आज, आंगनवाड़ी केंद्र केवल पोषण का स्थान नहीं है-यह प्रत्येक बच्चे की पहली पाठशाला है, जो जीवन के सबसे महत्वपूर्ण वर्षों में जिज्ञासा, रचनात्मकता और समग्र विकास का पोषण करती है।

मंत्रालय ने इस परिवर्तन को दिशा देने के लिए 3-6 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल और शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यक्रम-आधारशिला, की शुरुआत की है। आधारशिला बच्चों के केवल बौद्धिक विकास पर ही नहीं, बल्कि भावनात्मक, शारीरिक और सामाजिक कल्याण पर भी ज़ोर देते हुए समग्र विकास पर केंद्रित है। यह खेल के माध्यम से सीखने की व्यीवस्थित प्रक्रिया को आगे बढ़ाता है, जिससे बच्चों को सहयोगपूर्ण वातावरण में बढ़ने और फलने-फूलने का अवसर मिलता है।

बच्चे खेलने के प्रति सहज रूप से आकर्षित होते हैं - अपनी दुनिया के कोने-कोने को खोज और आनंद के स्थान में तब्दी ल कर देते हैं। सही वातावरण के साथ यह प्रवृत्ति आजीवन सीखने की नींव बन जाती है। पोषण भी पढाई भी सुरक्षित, व्यनवस्थित और प्रेरक वातावरण प्रदान करके इस भावना को पोषित करती है जहाँ बच्चे निर्देशित खेल और शिक्षा के माध्यम से फल-फूल सकते हैं। प्रारंभिक बाल्याँवस्थो देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) हमारे देश के भविष्य को आकार देने में बुनियादी भूमिका निभाती है। पोषण भी पढाई भी पहल के तहत, देश भर के आंगनवाड़ी केंद्रों को समग्र प्रारंभिक शिक्षा के लिए पोषण स्थलों में बदला जा रहा है। व्यंवस्थित आधारशिला की 5+1 साप्ताहिक योजना यह सुनिश्चित करती है कि दिन की शुरुआत 30 मिनट के उन्मुक्तिध खेल से हो, उसके बाद भाषा, रचनात्मकता, मोटर स्किल और सामाजिक संपर्क को बढ़ाने वाली व्यमवस्थित गतिविधियाँ हों। दोपहर के पौष्टिक भोजन और आराम के बाद, दिन का समापन बाहरी खेल और बातचीत के साथ होता है, जो मूल्यों को सुदृढ़ करता है और भावनात्मक संबंध बनाता है। व्य वस्थित और निर्बाध खेल के प्रति यह संतुलित दृष्टिकोण अत्यंत महत्वपूर्ण है, खासकर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के आलोक में, जिसने औपचारिक स्कूल प्रवेश की आयु को छह वर्ष कर दिया है। व्यकवस्थित ईसीसीई यह सुनिश्चित करती है कि बच्चे भावनात्मक, सामाजिक और संज्ञानात्मक रूप से स्कूल के लिए तैयार हों। देश भर के अभिभावकों का बढ़ता विश्वास वास्तव में उत्साहजनक है। जो परिवार पहले कभी आंगनवाड़ियों को केवल पोषण केंद्र मानते थे।

भारत पर अमेरिकी टैरिफ और ऊर्जा सुरक्षा

देवेंद्र कुमार बुडाकोटी

ट्रंप प्रशासन द्वारा भारत से निर्यातित वस्तुओं पर 50% टैरिफ लगाना, रूस से भारत के कच्चे तेल आयात के जवाब में, एक संकीर्ण और असंगत नीति को दर्शाता है। भारत की आलोचना की जा रही है जबकि चीन, जापान, तुर्की और यूरोपीय संघ के कई देश रूस से कहीं अधिक तेल आयात कर रहे हैं। यह चयनात्मक रवैया इस टैरिफ को अनुचित और राजनीतिक रूप से प्रेरित बनाता है। इसका असर भारत की अर्थव्यवस्था पर खासकर वस्त्र, रत्न और कीमती धातुओं जैसे क्षेत्रों में देखा जा सकता है। भले ही रोजगार और महंगाई पर इसका पूरा असर अभी स्पष्ट नहीं हुआ है, लेकिन भारत सरकार ने अपने निर्यात बाजारों में विविधता लाने की दिशा में कदम उठाने शुरू कर दिए हैं। भारत का विशाल घरेलू बाजार, मजबूत कूटनीतिक संबंध और बढ़ती आर्थिक-सेना शक्ति ऐसे दबावों को सफल नहीं होने देगी। भारत और रूस के बीच व्यापार अमेरिकी डॉलर की बजाय रुपये में होता है, जो वैश्विक व्यापार में डॉलर मुक्त व्यवस्था की ओर एक कदम है। भारत मध्य पूर्व देशों के साथ भी रुपये में तेल व्यापार के विकल्प तलाश रहा है। यदि यह चलन बढ़ा, तो यह पेट्रो-डॉलर प्रणाली को चुनौती देगा और अमेरिकी आर्थिक प्रभुत्व को कम कर सकता है। BRICS देशों के बीच रुपये आधारित व्यापार की भारत की पहल भी इसी दिशा में है। अमेरिका की चिंता भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा से अधिक, डॉलर की वैश्विक पकड़ कमजोर होने को लेकर है। भारत की ऊर्जा सुरक्षा लंबे समय से तेल आयात पर निर्भरता से जुड़ी है। भारत अपनी 82% से अधिक कच्चे तेल की जरूरतें आयात से पूरी करता है, जिससे विदेशी मुद्रा पर दबाव और बाहरी झटकों की आशंका बढ़ जाती है। अधिकांश तेल परिवहन क्षेत्र-दोपहिया, कार, ट्रक, बस, विमानन ईंधन और कृषि व थर्मल पावर में डीजल-में खपत होता है। इसे कम करने के लिए भारत ने इलेक्ट्रिक वाहनको बढ़ावा देना शुरू किया है, विशेषकर दोपहिया, यात्री वाहन और बसों में। साथ ही, वैकल्पिक ऊर्जा परियोजनाओं में भी निवेश किया जा रहा है। हिमालय क्षेत्र में जलविद्युत परियोजनाओं की योजना है, पर भूकंपीय जोखिम, भूस्खलन और मानसून के दौरान पर्यावरणीय चुनौतियां गंभीर हैं। इनके लिए पर्यावरणीय और सामाजिक प्रभावों का गहन मूल्यांकन जरूरी है। भारत दुनिया में बिजली का एक बड़ा उत्पादक और उपभोक्ता है। थर्मल पावर (मुख्यत: कोयला) अभी भी 45.4% बिजली उत्पादन में योगदान देता है, जबकि जलविद्युत का हिस्सा लगभग 10.2% है, जिसे अब सौर और पवन ऊर्जा ने पीछे छोड़ दिया है। 2025 तक गैर-जीवाश्म ईंधन स्रोतों की क्षमता 217 जीडब्ल्यू पार करने का अनुमान है, जो ऊर्जा नीति में बड़ा बदलाव है। राष्ट्रीय बायोएनेर्जी मिशन, ग्रीन हाइड्रोजन मिशन और रूफटॉप सोलर जैसे कार्यक्रम इस दिशा में अहम हैं। वर्तमान में, भारत की कुल स्थापित बिजली क्षमता का लगभग 49% गैर-जीवाश्म स्रोतों (जिसमें परमाणु ऊर्जा भी शामिल है) से आता है। ग्रीन हाइड्रोजन के साथ-साथ परमाणु ऊर्जा परियोजनाएं भी तेजी से बढ़ाई जा रही हैं ताकि दीर्घकालिक ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। अमेरिकी टैरिफ भारत के लिए तात्कालिक आर्थिक चुनौती जरूर हैं, लेकिन भारत अपने व्यापार और ऊर्जा नीतियों में बड़े स्तर पर बदलाव कर रहा है। ये प्रयास न केवल राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हैं, बल्कि एक संतुलित और बहुध्रुवीय वैश्विक व्यवस्था की दिशा में भी योगदान देते हैं।

(लेखक विकास क्षेत्र से जुड़े एक समाजशास्त्री हैं।)

चिंतन-मनन

क्षमा भाव आत्मसात करें

बुद्धि का अर्थ है नीर-क्षीर विवेक करने वाली शक्ति और ज्ञान का अर्थ है आत्मा तथा पदार्थ को जान लेना। ज्ञान का अर्थ है आत्मा तथा भौतिक पदार्थ के अन्तर को जानना। आधुनिक शिक्षा में आत्मा के विषय में कोई ज्ञान नहीं दिया जाता, केवल भौतिक तत्वों तथा शारीरिक आवश्यकताओं पर ध्यान दिया जाता है। फलस्वरूप शैक्षिक ज्ञान पूर्ण नहीं हैं। असम्मोह अर्थात संशय तथा मोह से मुक्ति तभी प्राप्त हो सकती है, जब मनुष्य झिझकता नहीं और दिव्य दर्शन को समझता है। वह धीरे-धीरे निश्चित रूप से मोह से मुक्त हो जाता है। क्षमा का अभ्यास करना चाहिए। मनुष्य को सहिष्णु होना चाहिए और दूसरों के छोटे अपराध क्षमा कर देना चाहिए। सत्यम का अर्थ है तथ्यों को सही रूप में अन्यों के लाभ के लिए प्रस्तुत किया जाए। तथ्यों को तोड़ना-मरोड़ना नहीं चाहिए। सामाजिक प्रथा के अनुसार कहा जाता है कि वही सत्य बोलना चाहिए, जिससे दूसरे लोग समझ सके कि सच्चाई क्या है। कोई चोर है और यदि लोगों को सावधान कर दिया जाये कि अमुक व्यक्ति चोर है, तो यह सत्य है। यद्यपि सत्य कभी-कभी अप्रिय होता है, किन्तु कहने में संकोच नहीं करना चाहिए। सत्य की मांग है कि तथ्यों को यथारूप में लोकहित के लिए प्रस्तुत किया जाए। यही सत्य की परिभाषा है। दम का अर्थ है इन्द्रियों को व्यर्थ विषयभोग में न लगाया जाए। अनावश्यक इन्द्रियभोग आध्यात्मिक उन्नति में बाधक है। मन पर भी अनावश्यक विचारों के विरुद्ध संयम रखना चाहिए। इसे शम कहते हैं। मनुष्य धन-अर्जन के चिन्तन में ही सारा समय न गवाए। यह चिन्तन शक्ति का दुरुपयोग है। मन का उपयोग मनुष्यों की मूल आवश्यकताओं को समझने के लिए किया जाना चाहिए। साधुपुरुषों, गुरुओं महान विचारको की संगति में रहकर विचार-शक्ति का विकास करना चाहिए। जो कुछ कृष्णभावनामृत के विकास के अनुकूल हो,

खास बात

इस्लाम सदा भारत में रहेगा, संघ का नया चेहरा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने संघ के 100 साल पूरे होने पर कहा है। जब से इस्लाम भारत में आया है। तभी से वह अस्तित्व में बना हुआ है। भारत से इस्लाम कहीं जाने वाला नहीं है। इसलिए मिलजुल कर रहना सीखो। संघ के 100 वर्ष पूरे होने के बाद संघ प्रमुख ने संघ का यह एक नया चेहरा भारत को दिखाया है।इसकी सर्वत्र चर्चा हो रही है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सलाहकार, भाजपा और आनुवंशिक संगठन स्वतंत्र

राजधानी दिल्ली में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 साल पूरे होने पर मोहन भागवत ने संबोधित करते हुए कहा, संघ एक वैचारिक एवं सांस्कृतिक संगठन है। वह सहयोगियों का मार्गदर्शन करता है। कोई भी सहयोगी संगठन उसके अधीन नहीं है। सभी अपने-अपने क्षेत्र में स्वतंत्र हैं।समय-समय पर संघ सलाह जरूर देता है।माने या ना माने, इस पर संघ का कोई नियंत्रण नहीं है।काशी मथुरा के मामले में उन्होंने कहा कि यह संघ के एजेंडे में शामिल नहीं है। जो हिंदू हैं, वह काशी और मथुरा के एजेंडे में काम कर सकते हैं। यह कहकर संघ ने पल्ला भी झाड़ लिया। वहीं अनुवांशिक संगठनों को इशारा भी कर दिया, जो करना है, करो। संघ बोलेगा नहीं, इसी को मूक सहमति कहते हैं।

मोदी और जिनपिंग के बीच प्रेमालाप

पिछले 7 वर्षों से भारत और चीन के संबंधों में बर्फ जमी हुई थी। अब यह बर्फ पिघलना शुरू हो गई है। रिश्तो की गर्माहट ने बर्फ को तेजी के साथ पिघलाना शुरू कर दिया है।30 अगस्त को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चीन पहुंच रहे हैं। वहां पर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग का प्रेमालॉप चीन और भारत के बीच नया इतिहास लिखने जा रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप जब से मोदी के प्रति बेरुखी दिखा रहे है। उसके बाद से ही मोदी को नए फ्रेंड की तलाश थी।चीन के साथ मोदी प्रेम देखने लायक है। रिश्ते किस तरह से बदलते हैं, यह इसका सबसे बड़ा उदाहरण है।

ना-टायर्ड, ना रिटायर्ड, मोदी प्रधानमंत्री बने रहेंगे

देश की राजधानी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और संघ प्रमुख मोहन भागवत के 75 साल की उम्र पूरी होने पर रिटायर करने की बात चल रही थी। संघ की धमकियों के आगे जब मोदी नहीं झुके। तब संघ प्रमुख को कहना पड़ा, ना टायर्ड ना रिटायर्ड। उन्होंने कहा कि वह भी 80 साल की उम्र तक काम करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले ही कह चुके हैं।वह 75 साल की उम्र पूरा करने पर अपना पद नहीं छोड़ेंगे। सही है, समर्थ व्यक्ति के लिए कोई नियम कानून नहीं होते हैं। वह दूसरों के लिए नियम कानून बनाता है। संघ के 100 साल पूरे होने जा रहे हैं। इतना स्पष्ट हो गया है कि मोदी -भागवत अपना पद नहीं छोड़ेंगे।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, भादो शुक्ल पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथी, नवमी, सोमवासरे, ज्येष्ठा नक्षत्रे, विवयोगे, वालव करणे, वृश्चिक की चंद्रमा, रवियोग 30/56 महिष वाहन चंद्रनाड़ी, शनि खंड वृष्टि, मूल प्रारंभ दिन 3/49 उत्तर दिशा की यात्रा शुभ होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, चपल-चंचल, चतुर, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, बैंक वैसशियर, लेखापाल, प्रबंधक, सुपरवाईजर, कम्प्यूटर इंजीनियर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, कार्यवाहक होगा।

मेष राशि- कार्य कुशलता से संतोष, व्यवसायिक वृत्ति में सुधार तथा योजना फलीभूत अवश्य होगी।

वृष राशि- इष्ट मित्रों से लाभ, स्त्री वर्ग से मन प्रसन्न रहेगा, मनोवृत्ति संवेदनशील बनीं रहेगी।

मिथुन राशि- मनोबल उत्साह वर्धक होवे, कार्य कुशलता से संतोष तथा व्यवसाय गति उत्तम होगी।

कर्क राशि- प्रयत्नशीलता विफल हो, परिश्रम करने पर भी कुछ लाभ न मिले, बनते कार्य बिगड़े।

सिंह राशि- प्रयत्नशीलता विफल हो, परिश्रम करने पर भी कुछ लाभ होगा, कार्य गति में ध्यान दें।

कन्या राशि- यात्रा के प्रसंग से बचें, मानसिक बेचैनी, मित्रों के साथ यात्रा से हानि अवश्य होगी।

तुला राशि- समय अनुकूल नहीं विशेष कार्य स्थगित रखें, लेनदेन के मामले में हानि विवाद होगा।

वृश्चिक राशि- अर्थ लाभ, कार्य सिद्ध एवं प्रयोजन सफलता के योग बनेंगे, समय स्थित का लाभ लें।

धनु राशि- समय की अनुकूलता से लाभांवित होंगे, दैनिक कार्यगति में सुधार अवश्य होगा।

मकर राशि- मनोबल उत्साह वर्धक होगा, इष्ट मित्रों से लाभ स्त्री जाति से मन प्रसन्न रहेगा, कार्य बनेंगे।

कुंभ राशि- कुटुम्ब की चिन्ताएं होंगी। रुके कार्यों को निपटा लेवें, विशेष कार्य अवश्य बन जायेंगे।

मीन राशि- प्रत्येक कार्य में बाधा, किसी के द्वारा धोखा हो सकता है, समय सीमा का ध्यान रखें।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

1 सितम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	06.53 बजे से
चंद्र	वृश्चिक में	तुला	09.04 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	11.18 ब.से
बुध	सिंह में	धनु	13.34 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	15.40 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	17.26 बजे से
शनि	मीन में	मीन	18.59 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	20.29 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	22.09 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		मिथुन	00.08 बजे से
		कर्क	02.21 बजे से
		सिंह	04.37 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 244 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल
तिथि नवमी 02.44 बजे रात्र को समाप्त।
नक्षत्र ज्येष्ठा 19.55 बजे को समाप्त।
योग विष्कुम्भ 16.32 बजे को समाप्त।
करण बालव 13.55 बजे तदनन्तर कौलव 02.44 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 8.8 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 08° 16'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872454
जूलियन दिन 2460919.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रवि उलावल
तारीख 08
विशेष गौरी पूजा।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

बच्चों को पढ़ाने के लिए अपनाएं ये 5 खास तरीके, जानें कैसे आने लगेंगे अच्छे मार्क्स

बच्चे को पढ़-लिखकर जीवन में आगे बढ़ते देखने का सपना हर माता-पिता का होता है। लेकिन कई बार पेरेंटिंग से जुड़ी कुछ लापरवाहियों की वजह से ये सपना हकीकत बनने से पीछे रह जाता है। अगर लाख कोशिशों के बावजूद आपका बच्चा पढ़ने में कमजोर हैं या उसे पढ़ा हुआ याद नहीं रहता, जिससे कक्षा में उसके अंक साथी बच्चों से हमेशा कम रह जाते हैं तो घर पर बच्चों को पढ़ाने के ये 5 खास तरीके आपकी परेशानी को दूर करने में आपकी मदद कर सकते हैं। आइए जानते हैं बच्चों को पढ़ाते समय किन खास बातों का ध्यान रखना चाहिए।

पढ़ने का समय और जगह रखें फिक्स

अगर आप चाहते हैं कि आपका बच्चा पूरे फोकस के साथ मन लगाकर पढ़ने के लिए बैठे तो सबसे पहले उसके लिए पढ़ने का एक निश्चित समय और जगह तय कर लें। रोजाना एक समय और जगह पर पढ़ाई करने से बच्चे के दिमाग को यह मैसेज जाता है कि उसे इसी समय पर रोजाना पढ़ने के लिए बैठना है।

छोटे-छोटे ब्रेक हैं जरूरी

कई पेरेंट्स बच्चों को लगातार घंटों तक एक जगह बैठकर पढ़ने के लिए प्रेशर बनाते रहते हैं, ऐसी गलती ना करें। आपको यह समझना जरूरी है कि लगातार कई घंटे बैठकर पढ़ना बच्चों के लिए मुश्किल हो सकता है। बच्चों का अटेंशन स्पैन उम्र के साथ बढ़ता है। ऐसे में पढ़ाई के बीच बच्चों को छोटे-छोटे ब्रेक जरूर लेने दें।

स्कूल में हुआ काम घर पर दोहराएं

एक्सपर्ट की मानें तो जो बच्चे स्कूल में पढ़ाई गई चीजों को घर आकर वापस दोहराते हैं, उन्हें परीक्षा के समय पाठ याद करने में अधिक परेशानी और समय नहीं लगता है। जिससे उसे परीक्षा में अच्छे नंबर लाने में मदद मिलती है।

बच्चे के लिए मोटिवेशन भी है जरूरी

अगर आपका बच्चा कुछ अच्छा करता है तो उसकी प्रशंसा या उसे मोटिवेट जरूर करें। बच्चे की सराहना करने से उसका आत्मविश्वास बढ़ता है, जिससे उसकी परफॉर्मेंस और ज्यादा बेहतर बनती है।

वीकेंड्स पर लें टेस्ट

परीक्षा के लिए बच्चे को अच्छी तरह तैयार करने के लिए हर हफ्ते किसी भी एक दिन उसका टेस्ट जरूर लें। बच्चे ने पूरे हफ्ते जो कुछ पढ़ा है उसका टेस्ट लेने से बच्चे की प्रैक्टिस अच्छी हो जाती है, जिससे वह परीक्षा में अच्छे मार्क्स ला सकता है।

एक उम्र के बाद पिता से क्यों दूर होने लगते हैं बच्चे?

अक्सर देखा जाता है कि 12-13 साल के बाद बच्चे अपने पिता से दूरी बनाने लगते हैं। पेरेंटिंग कोच पुष्पा शर्मा का कहना है कि इसके पीछे एक ही कारण नहीं होता, बल्कि कई छोटी-छोटी बातें मिलकर पिता और बच्चे के बीच की दूरी को जन्म देती हैं।

किशोरावस्था वह दौर है जब बच्चा ना तो पूरी तरह छोटा रहता है, ना ही पूरी तरह बड़ा बन पाता है। यह समय उसके लिए खुद को पहचानने, अपनी सोच बनाने और दुनिया को अपने नजरिए से देखने का होता है। इस उम्र में बच्चे ज्यादा सेंसिटिव होते हैं और अपने आस-पास के रिश्तों को गहराई से महसूस करते हैं। खासकर पिता के साथ उनका रिश्ता इस समय बड़ी तेजी से बदल सकता है। कई बार ये बदलाव पॉजिटिव भी होता है, लेकिन अक्सर देखा जाता है कि 12-13 साल के बाद बच्चे अपने पिता से दूरी बनाने लगते हैं। पेरेंटिंग कोच पुष्पा शर्मा का कहना है कि इसके पीछे एक ही कारण नहीं होता, बल्कि कई छोटी-छोटी बातें मिलकर पिता और बच्चे के बीच की दूरी को जन्म देती हैं। चलिए जानते हैं ये बातें क्या हैं-

मौजूद रहना ही काफी नहीं

अक्सर कई फादर्स को ये लगता है कि अगर वे घर में हैं, तो अपने बच्चे के पास ही हैं। लेकिन घर में मौजूद रहने और वास्तव में बच्चे के पास होने में फर्क है। अगर पिता घर पर होते हुए भी अपना ज्यादातर समय किसी कोने में, टीवी या फोन में बिताते हैं, तो बच्चा ये महसूस कर लेता है कि उसकी जिंदगी में उनका इमोशनल कनेक्शन कमजोर है। बच्चों को परफेक्ट पिता की नहीं, बल्कि एक ऐसे इंसान की जरूरत होती है जो उनके साथ समय बिताए, उनकी बातें सुनें और उनकी छोटी-छोटी खुशियों में शामिल हो।

सिर्फ नियम नहीं, भरोसा भी जरूरी

लड़के अक्सर अपनी ताकत और क्षमता को परखना चाहते हैं, जबकि लड़कियां यह जानना चाहती हैं कि वे कितनी अहम हैं। अगर पिता का रिश्ता बच्चों से सिर्फ नियम लागू करने और डांटने तक सीमित रह जाए, तो भरोसा और अपनापन खत्म होने लगता है। इस स्थिति में बच्चे अपनी बात शेयर करना छोड़ देते हैं और दोस्तों या सोशल मीडिया में वो अटेंशन या वैलिडेशन खोजने लगते हैं जो उन्हें घर में नहीं मिल रही होती।

ग्रेड से ज्यादा जरूरी है बच्चे को समझना

पुष्पा शर्मा के अनुसार, बच्चों से अक्सर यह सुनने को मिलता है कि पापा को सिर्फ ग्रेड और रूल्स की परवाह थी। यह सोच इस वजह से बनती है क्योंकि कुछ पिता बच्चों को इंसान के रूप में देखने से ज्यादा उन्हें एक प्रोजेक्ट की तरह ट्रीट करते हैं, जहां सिर्फ बच्चे का रिजल्ट और डिसिप्लिन मायने रखता है। अगर आप चाहते हैं कि आपका बच्चा आपके करीब

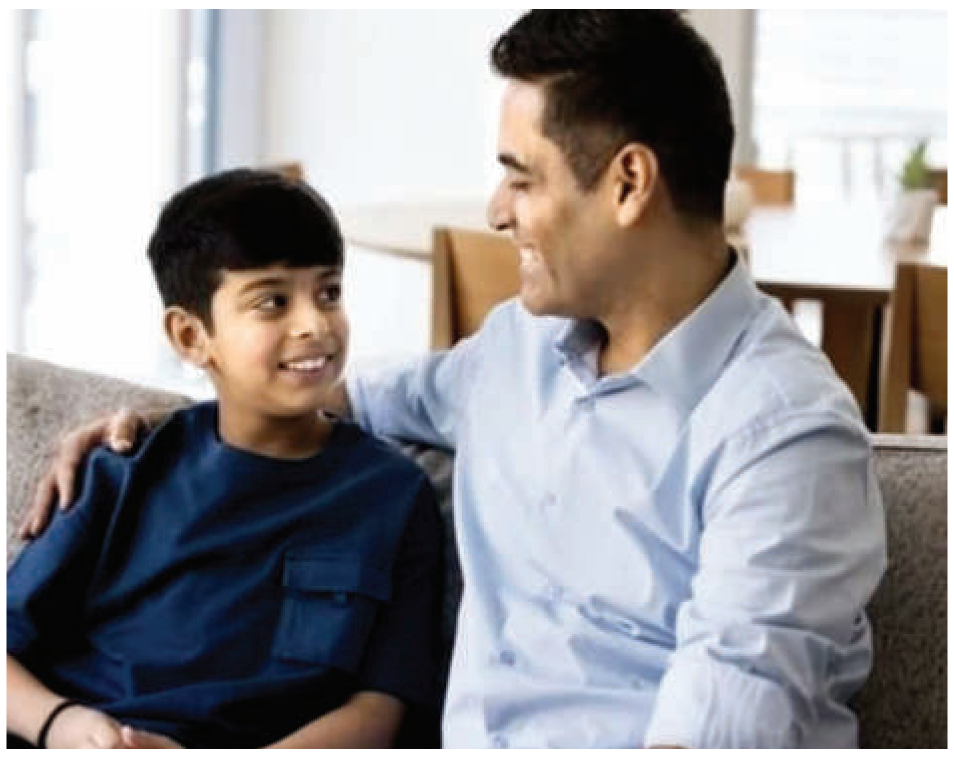

रहे, तो उसे कंट्रोल करने के बजाय उसके इमोशंस को समझें और पेशेंस के साथ पेरेंटिंग करें।

इंतजार हमेशा काम नहीं आता

कुछ पिता सोचते हैं कि अभी सख्त रहेंगे और बच्चे बड़े हो जाने पर उनसे दोस्ती कर लेंगे। लेकिन हकीकत यह है कि बच्चे इतने लंबे समय तक इंतजार नहीं करते। अगर 12 साल तक आपने उनसे जुड़ाव नहीं बनाया, तो हाई स्कूल या कॉलेज के समय अचानक से करीब आना मुश्किल हो जाता है। तब तक वे यह तय कर चुके होते हैं कि कौन उनकी सुनता है और कौन नहीं, कौन उन्हें सुरक्षित महसूस कराता है और कौन नहीं। पेरेंटिंग कोच के मुताबिक इस एज आते-आते धीरे-धीरे पिता और बच्चे के बीच में एक दूरी मेंटेन हो जाती है, जिसे काम करना बेहद मुश्किल हो जाता है।

बच्चे को सुबह स्कूल जाने के पहले ब्रेकफास्ट में क्या खिलाएं, क्या कहते हैं बच्चों के डॉक्टर

बच्चे स्कूल जाते वक्त अक्सर ब्रेकफास्ट ना करने की जिद करते हैं। वहीं पैरेंट्स लेकर ग्रैंड पैरेंट्स तक बच्चों को जबरदस्ती कुछ ना कुछ खिला देते हैं। अगर बच्चा हेल्दी ब्रेकफास्ट नहीं खा रहा तो चिप्स, चॉकलेट जैसी चीजों को ही खाने देते हैं। उनका कहना होता है कि बच्चा खाली पेट स्कूल ना जाए। लेकिन क्या ये सही है? इस बारे में बच्चों के डॉक्टर और एक्सपर्ट की राय अलग रहती है। जानें बच्चों को सुबह-सुबह स्कूल जाने के पहले क्या खिलाना चाहिए।

बच्चों को कुछ भी ना खिलाएं

इंस्टाग्राम पर पीडियाट्रिशन डॉक्टर राहुल ने सलाह दी है कि सुबह-सुबह बच्चों को क्या खिलाकर स्कूल भेजना चाहिए। उनका कहना है कि बच्चों को सुबह स्कूल जाने के पहले कुछ भी नहीं खाने को देना चाहिए। ज्यादातर बच्चे सुबह खाना नहीं चाहते। दरअसल, बच्चों को सुबह सोकर उठने के दो घंटे तक भूख नहीं लगती। ऐसे में उसे जबरदस्ती कुछ भी ना खिलाएं। अगर बच्चा खाने के लिए मांग रहा तो जरूर खिलाएं लेकिन बच्चा नहीं खाना चाहता तो फोर्सफुली ना खिलाएं। हो सकता है बच्चा रास्ते में या बस में उल्टी कर दे। या उसका मन खराब होने लगे।

बच्चे को टिफिन में दें ये चीजें

बच्चे के टिफिन में सब्जी और रोटी रखने के साथ ही दो तरीके फल दें। जिससे बच्चे को जब भी भूख लगे वो फ्रूट को खा लें। कई बार बच्चे को रास्ते में भूख लगती या स्कूल पहुंचकर भूख लगती है तो वो फ्रूट आसानी से खा लेगा। लेकिन ब्रेकफास्ट में जबरदस्ती कुछ ना खिलाएं। बच्चे के बैग में खाने की चीजों को रख दें। जब उसको भूख लगेगी वो खुद से खा लेगा।

इन खाने की चीजों को बिल्कुल ना दें

बच्चे को सुबह स्कूल जाने के पहले दूध, ब्रेड, चाय, टोस्ट, बिस्कुट, ड्राई फ्रूट्स, चिप्स जैसी चीजों को खाने के लिए जबरदस्ती बिल्कुल ना दें।

न्यूबॉर्न बेबी के सामने क्यों नहीं लगाना चाहिए परफ्यूम

ज्यादातर लोग अपने शरीर की गंध से छुटकारा पाने और हमेशा महकता रहने के लिए परफ्यूम या फिर डियोड्रेंट का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन क्या आप इसे अपने न्यूबॉर्न बेबी के सामने भी लगाकर चले जाते हैं? अगर हां तो जानिए आपको ऐसा करने से क्यों बचना चाहिए।

खुशबूदार रहने के लिए और शरीर की गंध से छुटकारा पाने के लिए ज्यादातर लोग परफ्यूम या फिर डियोड्रेंट का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन क्या आप अपने न्यूबॉर्न बेबी के सामने भी इसे लगाकर जाते हैं? अगर हां, तो आपको ऐसा करने से बचना चाहिए। दरअसल, न्यूबॉर्न बेबी को एक्सट्रा केयर की जरूरत होती है। कहते हैं कि शुरुआत के दिनों में बच्चा काफी नाजुक होता है और इस समय पर उसे सबसे ज्यादा देखरेख करनी चाहिए। न्यूबॉर्न एक्सपर्ट और मदरहुड हमायिल ने अपने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए ये बताया है कि बच्चे के सामने परफ्यूम लगाने से क्यों बचना चाहिए।

नाक होती है सेंसेटिव

बच्चों के सूंघने की शक्ति बहुत तेज होती है। कहते हैं कि जब बच्चा जन्म लेता है तो बेबी को धुंधला दिखाई देता है और वह खुशबू से लोगों को पहचानता है। आपकी खुशबू से ही बच्चा सुरक्षित महसूस करने और आपके साथ जुड़ाव बनाने में मदद करता है। लेकिन परफ्यूम की तेज खुशबू आपके बेबी को जरूरत से ज्यादा उत्तेजित या परेशान कर सकती हैं, जिससे वह चिड़चिड़ा हो सकता है।

फेफड़ों की समस्या

कई खुशबू में एलर्जी पैदा करने वाले तत्व होते हैं जो खांसी, छींक या सांस लेने की समस्या पैदा कर सकते हैं। खासकर उन बच्चों में जिन्हें अस्थमा, एलर्जी या एक्जिमा है।

स्किन के लिए समस्या

– बच्चे लगातार अपने हाथ मुंह में डालते रहते हैं। ऐसे में अगर किसी ने परफ्यूम लगाया है और वह बच्चे को गोद में लेता है तो तो उसकी स्किन या कपड़ों की खुशबू बेबी तक पहुंच सकती है।

नींद में खलल

परफ्यूम की तेज खुशबू बच्चे के दिमाग को भ्रमित कर सकती है और उनके शांत होने या गहरी नींद लेने की क्षमता को प्रभावित कर सकती है। खासकर सोते समय, खुशबू का इस्तेमाल कम से कम करना सबसे अच्छा है।

डिस्क्लेमर- यह आर्टिकल केवल सूचनात्मक उद्देश्यों के लिए है और पेशेवर चिकित्सा सलाह का विकल्प नहीं है। किसी चिकित्सीय स्थिति के बारे में किसी भी सवाल के लिए हमेशा अपने डॉक्टर की सलाह लें।

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी ने चेतेश्वर पुजारा को लिखा पत्र, शानदार क्रिकेट करियर के लिए दी बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में संन्यास लेने वाले पूर्व भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा को पत्र लिखकर उनके शानदार क्रिकेट करियर के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि आप खेल के लंबे प्रारूप की खूबसूरती की याद दिलाते थे। आपका शानदार क्रिकेट करियर उल्लेखनीय कौशल और दृढ़ संकल्प के पलों से भरा है। पुजारा ने बीते 24 अगस्त को भारतीय क्रिकेट के सभी प्रारुपों से संन्यास का ऐलान किया था। चेतेश्वर पुजारा ने रविवार को प्रधानमंत्री के पत्र को सोशल मीडिया एक्स पर शेयर करते हुए लिखा कि मुझे अपने संन्यास पर प्रधानमंत्री से प्रशंसा पत्र प्राप्त करके सम्मानित महसूस हो रहा है। व्यक्त की गई हार्दिक भावनाओं के लिए मैं बहुत आभारी हूं।

हॉकी इंडिया ने कृष्ण बी पाठक को 150 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने पर दी बधाई

राजगीर। हॉकी इंडिया ने रविवार को भारतीय पुरुष हॉकी टीम के गोलकीपर कृष्ण बी पाठक को 150 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने का कीर्तिमान पूरा करने पर बधाई दी। पंजाब के कपूरथला के रहने वाले 28 वर्षीय कृष्ण बी पाठक ने राजगीर हॉकी स्टेडियम में चल रहे हीरो पुरुष एशिया कप राजगीर 2025 के दूसरे मैच में जापान के खिलाफ यह उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। भारत ने अपने अभियान की शुरुआत चीन पर 4-3 की रोमांचक जीत के साथ की थी, जिसमें कप्तान हरमनप्रीत सिंह की हैट्रिक और जुगराज सिंह का गोल शामिल था, और अब उनका लक्ष्य जीत की लय को बरकरार रखना है।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर तीन दिवसीय खेल महोत्सव का हुआ समापन

विश्वास सारंग के नेतृत्व में निकली 5 किमी लंबी फिट इंडिया साइकिल रैली

नई दिल्ली ■ एजेंसी

राष्ट्रीय खेल दिवस के अंतर्गत आयोजित तीन दिवसीय खेल महोत्सव का समापन रविवार को राजधानी भोपाल में फिट इंडिया साइकिल रैली और वॉटर स्पोर्ट्स शो के साथ हुआ। साइकिल रैली का नेतृत्व सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने किया। खेल एवं युवा कल्याण विभाग तथा भारतीय खेल प्रधिकरण भोपाल शाखा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित साइकिल रैली का शुभारंभ वीआईपी रोड स्थित राजाभोज प्रतिमा से हुआ, जिसमें हजारों की संख्या में साइकिलिस्टों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। रैली वीआईपी रोड होते हुए लेक व्यू स्थित वॉटर स्पोर्ट्स अकादमी तक पहुँची। पूरे मार्ग में फिटनेस, पर्यावरण संरक्षण और अनुशासन का संदेश जन-जन तक पहुँचाया गया।

खेल एवं युवा कल्याण मंत्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पूरे देश को फिट इंडिया मूवमेंट का आहवान किया था और उनका मंत्र है फिट इंडिया से ही हिट इंडिया होगा। संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम ने उसी संदेश को आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि तीन दिवसीय इस खेल महोत्सव के दौरान पूरा प्रदेश खेलमय हो गया और राजधानी भोपाल ने इस आयोजन के माध्यम से पूरे देश को स्वस्थ जीवनशैली का संदेश दिया है। मंत्री सारंग ने साइकिल राइडर एसोसिएशन को बधाई देते हुए कहा कि साइकिल चलाना केवल एक व्यायाम नहीं, बल्कि यह हमारी जीवनशैली में अनुशासन और संतुलन लाने वाला साधन है। प्रदेश में हम साइकलिंग को और बढ़ावा देने के लिये सार्थक प्रयास करेंगे।

साइकिल रैली के समापन पर वॉटर स्पोर्ट्स अकादमी में भव्य जल क्रीड़ा गतिविधियों का आयोजन हुआ। यहाँ खिलाड़ियों ने बड़े तालाब में अपने खेल कौशल का रोमांचक प्रदर्शन किया। कायकिंग, कैनोइंग, स्लैलम और सेलिंग जैसी प्रतियोगिताओं ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन ने राजधानी में खेल महोत्सव के समापन को यादगार बना दिया और यह आयोजन लंबे समय तक खेल प्रेमियों की स्मृतियों में अंकित रहेगा।

हॉकी एशिया कप में भारतीय टीम की लगातार दूसरी जीत जापान को 3-2 से हराया

राजगीर ■ एजेंसी

बिहार के राजगीर स्थित राजगीर हॉकी स्टेडियम में खेले गए मैच में भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने पुरुष एशिया कप 2025 में अपनी विजयी लय जारी रखते हुए पूल %ए% के अपने दूसरे मैच में रविवार को जापान को 3-2 से हरा दिया। भारतीय टीम के लिए कप्तान हरमनप्रीत सिंह (5वें मिनट, 46वें मिनट) और मंदीप सिंह (4वें मिनट) ने गोल किए, जबकि जापान के लिए कोसेई कावाबे (38वें मिनट, 59वें मिनट) ने दो गोल किए। इस जीत के साथ भारत ने टूर्नामेंट में आगे बढ़ते हुए सुपर 4 चरण में जगह पक्की कर ली है। मैच में भारतीय टीम ने पहले क्वार्टर की शानदार शुरुआत की। पहले पांच मिनट में ही लगातार दो गोल दागकर भारतीय टीम ने अपना दबदबा बना लिया। चौथे मिनट में मनदीप सिंह और पांचवें मिनट में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने गोल कर स्कोर 2-0 कर दिया। दूसरे क्वार्टर में जापान ने अपने प्रदर्शन में सुधार किया और दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। 19वें मिनट में जापान गोल करने के करीब पहुंचा, लेकिन मामूली अंतर से चूक गया। इसके बाद 24वें मिनट में जापान को पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन जरमनप्रीत ने उसे लाइन पर ही बचा लिया और रीटेक के लिए क्लियर कर दिया, जिसे अंततः भारत ने रोक दिया।

आईसेक्ट समूह की राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली खेल प्रतिभाओं को मिला 'स्पोर्ट्स अचीवर्स अवार्ड 2025'

भोपाल ■ प्रतिनिधि

खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के प्रयास के तहत शनिवार को आईसेक्ट विश्वविद्यालय समूह द्वारा रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय और स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के संयुक्त तत्वावधान में स्पोर्ट्स अचीवर्स अवार्ड 2025 का आयोजन किया गया। इस गरिमामय अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मप्र शासन में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के मंत्री विश्वास सारंग, विशिष्ठ अतिथि के रूप में अर्जुन अवार्डी और पूर्व ओलंपियन अशोक ध्यानचंद, अर्जुन अवार्डी और 1983 क्रिकेट वर्ल्ड कप विजेता टीम के सदस्य मदनलाल शर्मा और जलज चतुर्वेदी, जिला खेल अधिकारी रायसेन उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति और आईसेक्ट समूह के कार्यकारी उपाध्यक्ष डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी उपस्थित रहे। अन्य अतिथियों में, कुलगुरू डॉ. विजय सिंह और रबीन्द्रनाथ टैगोर यूनिवर्सिटी की प्रो. चांसलर डॉ. अदिति चतुर्वेदी वत्स, कुलगुरू डॉ. आरपी दुबे, कुलसचिव डॉ संगीता जौहरी और एसीएसयू के कुलसचिव डॉ सितेश सिन्हा शामिल रहे।

इस अवसर पर समारोह में रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय और स्कोप ग्लोबल स्किल्स यूनिवर्सिटी में अध्ययनरत 88 खिलाड़ियों और 11 कोचेस को पुरस्कार राशि एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इनमें हॉकी, जुडो, पैरालंपिक, शूटिंग, बॉक्सिंग, सेलिंग, कयाकिंग केनोइंग, रेसलिंग, रोइंग, मल्लखम्ब, कराटे, वुशु, एथलेटिक्स, फेंसिंग, ग्रैपलिंग इत्यादि खेलों के खिलाड़ी शामिल रहे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि विश्वास सारंग ने प्लेयर्स को सम्मानित होने पर बधाई दी और खेलों को प्रोत्साहित करने के आईसेक्ट समूह के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने अपने वक्तव्य में कहा कि एक अच्छा नागरिक बनने में बेहतर शिक्षा और सकारात्मक खेल भावना का बड़ा योगदान होता है। उन्होंने स्वामी विवेकानंद का जिक्र करते हुए कहा कि एक बार एक युवा ने उनसे सन्यास लेने की बात कही तो विवेकानंद ने उसे फुटबॉल खेलने और स्वयं एवं राष्ट्र को सशक्त बनाने की सीख दी थी। आगे उन्होंने कहा कि आज देश में खेल का सकारात्मक माहौल है।

प्लेयर्स की सहायता के लिए बड़ी संख्या में योजनाएं चलाई जा रही हैं। प्राइवेट सेक्टर भी आगे आकर पहल कर रहा है। यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बड़ी खेल प्रतिस्पर्धाओं के खिलाड़ियों से स्वंय बात करके उन्हें प्रोत्साहित करने का प्रयास करते हैं। ऐसे में आम नागरिकों की जिम्मेदारी बढ़ जाती है कि वे आगे आकर अपने आसपास खेलों से जुड़ने के लिए सभी को प्रोत्साहित करें। इससे पहले कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. सिद्धार्थ चतुर्वेदी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और आईसेक्ट विश्वविद्यालयों द्वारा खेलों को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे प्रयासों से अवगत कराया। उन्होंने बताया कि स्पोर्ट्स इकोसिस्टम को तैयार करने के लिए क्रिकेट एकेडमी की शुरुआत की जा चुकी और फुटबाल एवं बैडमिंटन एकेडमीज को भी शुरू किया जाएगा। इसके अलावा स्पोर्ट्स टूर्नामेंट का आयोजन, स्पोर्ट्स मैनेजमेंट एवं न्यूट्रिशन से संबंधित कोर्सेज की शुरुआत और खेलों में शोध को बढ़ावा देना और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के उत्कृष्ट प्लेयर्स को सहायता प्रदान करने के प्रयास किए जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

पेटीएम ने साफ किया, यूपीआई पेमेंट में नहीं आएगी कोई परेशानी

नई दिल्ली। वित्तीय सेवा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी पेटीएम ने साफ किया है कि यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) हैंडल में बदलावों पर गूगल प्ले की हालिया अधिसूचना अधूरी थी और इससे भ्रम की स्थिति पैदा हो सकती है। कंपनी ने कहा कि पेटीएम पर यूपीआई भुगतान में कोई व्यवधान नहीं है और उपभोक्ता व व्यापारी दोनों के लेन-देन निर्बाध बने हुए हैं। पेटीएम ने बताया, इसका मतलब है कि अगर कोई यूजर यूट्यूब प्रीमियम या गूगल वन स्टोरेज या किसी भी आवर्ती प्लेटफॉर्म के लिए पेटीएम यूपीआई के माध्यम से भुगतान कर रहा था, तब उस बस अपने पुराने @पेटीएम हैंडल को अपने बैंक से जुड़े नए हैंडल, जो @पीटीएचडीएफसी, @पीटीएक्सिस, पीटीयस या @पीटीएसबीआई से बदलना होगा। पेटीएम ने बताया कि यह बदलाव, थर्ड पार्टी एप्लिकेशन प्रोवाइडर (टीपीएपी) के रूप में काम करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) से मंजूरी मिलने के बाद नए यूपीआई हैंडल्स पर उसके माइग्रेशन का हिस्सा है। आवर्ती मैंडेट्स के लिए अपडेट पूरा करने की समय सीमा 31 अगस्त, 2025 है, यही वजह है कि गूगल प्ले ने यह अलर्ट जारी किया है। ग्राहकों को आश्वस्त करते हुए, पेटीएम ने कहा कि यह एक आसान अपडेट है जो निर्बाध आवर्ती भुगतान सुनिश्चित करता है जबकि ऐप पर अन्य सभी यूपीआई लेनदेन बिना किसी बदलाव के जारी रहते हैं ।

जीएसटी दर तार्किकरण का फायदा गरीबों तक पहुंचे ना कि कॉर्पोरेट संस्थानों तक

नई दिल्ली। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि केंद्र सरकार जीएसटी दर तार्किक बनाने के मौजूदा प्रस्ताव के तहत राज्यों की वित्तीय स्थिरता को प्रभावित होने से बचाने के लिए उपयुक्त मुआवजे की व्यवस्था करे और यह तय किया जाए कि इस कदम का लाभ महंगाई का सामना कर रहे देश के गरीब लोगों तक पहुंचे, न कि कॉर्पोरेट संस्थानों तक। मंत्री चीमा ने जोर देकर कहा कि यदि कीमतों के तार्किकरण का मौजूदा प्रस्ताव आय में हुई कमी की भरपाई की व्यवस्था किए बिना लागू होता है, तो यह राज्यों की वित्तीय अस्थिरता का कारण बनेगा और देश की संघीय संरचना को भी क्षति पहुंचाएगा, जो स्वीकार्य नहीं है। मंत्री चीमा शनिवार को कर्नाटक भवन में जीएसटी दर तार्किकरण पर विचार संबंधी केरल, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, पश्चिम बंगाल और तेलंगाना के वित्त मंत्रियों और प्रतिनिधियों की बैठक में शामिल हुए। पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने केंद्र सरकार के प्रस्ताव पर रखी बात उन्होंने कहा कि राज्य का इस पहलू पर मत है कि दर तार्किकरण के साथ-साथ राज्यों के वित्तीय हितों की सुरक्षा की मजबूत व्यवस्था तैयार की जानी चाहिए। इसके तहत लग्जरी वस्तुओं पर सहायक कर लगाने और कम से कम पाँच सालों तक मुआवजा सुनिश्चित करने की व्यवस्था होनी चाहिए।

अगस्त में एफपीआई ने की जमकर बिकवाली एक महीने में 34,993 करोड़ रुपये निकाले

नई दिल्ली ■ एजेंसी

घरेलू शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) के कारोबार के लिहाज से अगस्त का महीना काफी बुरा साबित हुआ। इस महीने विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने शेयर बाजार से 34,993 करोड़ रुपये यानी करीब चार अरब डॉलर की निकासी कर ली। फरवरी के बाद पहली बार विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार से इतनी बड़ी मात्रा में अपने पैसे निकाले हैं। फरवरी के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 34,574 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी।

अगस्त के पहले जुलाई के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने घरेलू शेयर बाजार में 17,741 करोड़ रुपये की बिकवाली की थी। इस तरह अगस्त के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने जुलाई की तुलना में करीब दोगुना बिकवाली की है। साल 2025 में जनवरी से लेकर अगस्त तक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक घरेलू शेयर बाजार से 1.30 लाख करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं।

धामी सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी का कहना है कि घरेलू शेयर बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की बिकवाली के लिए वैश्विक स्तर पर बनी पर प्रतिकूल परिस्थितियों के साथ ही घरेलू स्तर पर भी कई कारणों को जिम्मेदार माना जा सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने की वजह से निवेशकों के सेंटीमेंट्स प्रभावित हुए हैं। भारी भरकम टैरिफ की वजह से भारत की व्यापारिक प्रतिस्पर्धा और ग्रोथ आउटलुक को लेकर आशंका बढ़ गई है।

इसके साथ ही घरेलू मोर्चे पर जून में खत्म हुई तिमाही के दौरान कॉरपोरेट सेक्टर की कई बड़ी कंपनियों के कमजोर प्रदर्शन की वजह से भी घरेलू शेयर बाजार पर दबाव की स्थिति बनी है। प्रशांत धामी का मानना है कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की घरेलू शेयर बाजार में बड़े पैमाने पर की जा रही बिकवाली की एक वजह भारत में शेयरों का ऊंचा वैल्यूएशन भी है। भारत की तुलना में दुनिया के अन्य बाजारों में वैल्यूएशन कम आंका गया है, जिसकी वजह से विदेशी निवेशकों का एक वर्ग अपनी पूंजी को भारत से निकाल कर दुनिया के दूसरे बाजारों में शिफ्ट कर रहा है।

हालांकि, प्राइमरी मार्केट के लिहाज से देखा जाए तो विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद खरीदार बने हुए हैं। घरेलू शेयर बाजार के सेकेंडरी मार्केट में लगातार बिकवाली करने के बावजूद विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने इस साल प्राइमरी मार्केट से अभी तक 40,305 करोड़ रुपये की खरीदारी की है। इस खरीदारी के लिए नए आईपीओ के आकर्षक वैल्यूएशन को जिम्मेदार माना जा रहा है। जहां तक डेट मार्केट की बात है, तो अगस्त के महीने में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने अपने रुख में बदलाव किया है। अगस्त के महीने में विदेशी निवेशकों ने डेट जनरल लिमिट के तहत 6,766 करोड़ रुपये का निवेश किया है, जबकि डेट वॉलंटरी रिटेंशन रूट के जरिए उन्होंने 872 करोड़ रुपये की निकासी की है।

भारत की 8 सबसे मूल्यवान कंपनियों के कुल मार्केट वैल्यू में गिरावट

मुंबई। बीते सप्ताह भारत की 8 सबसे मूल्यवान कंपनियों के कुल मार्केट वैल्यू में करीब 2,24,630 करोड़ की गिरावट आई। इस दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज और एचडीएफसी बैंक सबसे अधिक प्रभावित रहीं। यह गिरावट शेयर बाजार में मंदी के संकेत दिख रही है। बीएसई का बेंचमार्क इंडेक्स पिछले सप्ताह 1,497.2 अंक (1.84 प्रतिशत) गिर गया। टॉप-10 कंपनियों में से, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस और एलआईसी का मार्केट वैल्यू कम हुआ, जबकि टीसीएस और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयरों में बढ़त देखी गई। रिलायंस इंडस्ट्रीज का मार्केट कैप 70,707 करोड़ घटकर 18,36,424 करोड़ हो गया। एचडीएफसी बैंक का मार्केट कैप 47,482 करोड़ घटकर 14,60,864 करोड़ पर आ गया। आईसीआईसीआई बैंक का मार्केट कैप 27,135 करोड़ घटकर 9,98,291 करोड़ और भारती एयरटेल का 24,947 करोड़ घटकर 10,77,213 करोड़ हुआ।

सरकार ने एक सितंबर से बदले नियम-अब चांदी के गहनों की भी होगी हॉलमार्किंग

नई दिल्ली। सोने के गहनों की हॉलमार्किंग का नियम लागू होने के बाद अब केंद्र सरकार ने चांदी के गहनों पर भी हॉलमार्किंग की तैयारी कर ली है। केंद्र का इरादा सोने के गहनों की तरह ही चांदी के गहनों की शुद्धता की गारंटी की जानकारी भी ग्राहकों तक पहुंचाने की है। चांदी के गहनों की शुद्धता की गारंटी के लिए कल यानी 1 सितंबर से हॉल मार्किंग का नियम लागू हो जाएगा। सरकार अभी चांदी के गहनों पर हॉल मार्किंग के नियम को अनिवार्य नहीं कर रही है। फिलहाल हॉल मार्किंग का ये नियम वॉलंटरी होगा। यानी गहने खरीदने वाले ग्राहक की इच्छा पर निर्भर करेगा कि वो हॉलमार्क वाला चांदी का गहना खरीदे या बिना हॉलमार्क वाला गहना खरीदे।

चांदी के गहनों की हॉलमार्किंग के लिए भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने 6 नए स्टैंडर्ड 800, 835, 900, 925, 970 और 990 तय किए हैं। अब हर हॉलमार्क वाली ज्वेलरी पर एक 6 अंकों का यूनिक कोड (एचयूआईडी) भी होगा। इस कोड से तुरंत पता चल जाएगा कि चांदी के गहने की शुद्धता कितनी है। ये सिस्टम पुराने हॉलमार्किंग तरीके की जगह लेगा और इससे बाजार में ज्यादा पारदर्शिता आएगी। हॉलमार्किंग का नियम लागू हो जाने के बाद अब चांदी के गहनों के ग्राहक आसानी से बीआईएस केयर ऐप पर जाकर वेरिफाई एचयूआईडी फीचर की मदद से चेक कर सकेंगे कि गहनों पर अंकित कोड असली है या नकली। हॉलमार्किंग से ये बात भी तय हो जाएगी कि चांदी की शुद्धता उतनी ही है, जिसके लिए ग्राहक पैसा चुका रहा है। इससे चांदी के गहनों की खरीदारी पहले से ज्यादा सुरक्षित और भरोसेमंद हो जाएगी। दरअसल, साल 2021 में केंद्र सरकार ने सोने के गहनों पर हॉलमार्किंग को अनिवार्य कर दिया था। इसी तर्ज पर अब चांदी की ज्वेलरी के लिए भी ये सिस्टम लाया जा रहा है। सरकार का उद्देश्य सर्राफा बाजार को ज्यादा पारदर्शी बनाना और ग्राहकों को असली उत्पाद उपलब्ध कराना है। हॉलमार्किंग शुरू हो जाने के बाद चांदी के गहनों के ग्राहक भी किसी भी घोखाधड़ी से बच सकेंगे।

भारत मोबाइल के हरेक कलपुर्जे का विनिर्माण करेगा जिसमें मेड इन इंडिया चिप्स भी शामिल

नई दिल्ली ■ एजेंसी

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने देश के प्रथम टेम्पर्ड ग्लास विनिर्माण कारखाने का नोएडा में उद्घाटन किया। यह टेम्पर्ड ग्लास मोबाइल उपकरणों में काम आयेगा। यह कारखाना ऑप्टीमस इलेक्ट्रॉनिक्स ने यूसए के कॉर्निंग इंकॉर्पोरेटेड की साझेदारी में लगाया है। इसमें उच्च गुणवत्ता के टैंपर्ड ग्लास का उत्पादन दुनिया भर में प्रचलित ब्रांड इंजीनियर्ड बाय कॉर्निंग के अंतर्गत किया जाएगा। उत्पादों की आपूर्ति घरेलू एवं अंतरराष्ट्रीय, दोनों ही बाजारों में की जाएगी।

इस अवसर पर वैष्णव ने कहा भारत एक-एक करके मोबाइल फ़ोन, हरेक कलपुर्जे का विनिर्माण करता जा रहा है । इनमें चिप्स, कवर ग्लास, लैपटॉप एवं सर्वर के उपादान आदि शामिल हैं । उनके अनुसार इन घरेलू विनिर्माण सुविधाओं के बूते हमरास देश इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सुविधा के क्षेत्र में वैश्विक शक्ति बन जाएगा । मंत्री महोदय ने यह भी बताया कि जल्द ही भारत में निर्मित यानी मेड इन इंडिया चिप भी बाज़ार में आएगा। वह आत्मनिर्भर भारत की दिशा में और एक महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी। उन्होंने रेखांकित किया कि पिछले 11 वर्ष में भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स के विनिर्माण में छह गुना वृद्धि हुई है । इसके बूते इलेक्ट्रॉनिक्स का घरेलू उत्पादन 11.5 लाख करोड़ रुपए मूल्य का हो गया है । इसमें 3 लाख करोड़ रुपए मूल्य का निर्यात भी शामिल है। साथ ही इस क्षेत्र में 25 लाख लोग प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप में रोजगार पा रहे हैं।

भारत की जीडीपी वृद्धि दर बढ़कर 7.8 फीसदी होना उत्साहजनक

नई दिल्ली ■ एजेंसी

वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही में भारत की जीडीपी वृद्धि दर बढ़कर 7.8 फीसदी होने पर अर्थशास्त्रियों ने कहा है कि भारत में विशाल जीडीपी वृद्धि और विश्व की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने की क्षमता मौजूद है। एक अर्थशास्त्री ने कहा कि एक ऐसी तिमाही में जिसे टैरिफ तिमाही का नाम देना उचित होगा, देश की जीडीपी वृद्धि दर बढ़कर 7.8 फीसदी होना उत्साहजनक है। उन्होंने कहा कि यह वह तिमाही थी, जब रेसिप्रोकल टैरिफ की घोषणा की जा रही थी। यह वह समय था जब पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था टैरिफ की उच्च दरों से नाखुश थी और पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था में अनिश्चितता थी।

इस समय हमने 7.8 फीसदी की विकास दर हासिल की है। हमें हमारी तुलना विश्व के दूसरे देशों से करनी चाहिए। उन्होंने भारत की जीडीपी की तुलना अलग-अलग देशों से करते हुए कहा कि हम चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। जर्मनी तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। 2023 और 2024, दो सालों तक, जर्मनी ने नकारात्मक जीडीपी वृद्धि प्रदर्शित की। उन्होंने कहा कि हमारी तुलना अमेरिका से करें। जनवरी से मार्च 2025 तक उन्होंने नकारात्मक जीडीपी वृद्धि -0.5 फीसदी दर्ज की। हमारी तुलना जापान से करें। जनवरी से मार्च 2025 तक, उन्होंने -0.2 फीसदी नकारात्मक जीडीपी वृद्धि दर्ज की है। हमारी तुलना ब्रिटेन से करें। सितंबर और अक्टूबर 2024 तक, उन्होंने नकारात्मक जीडीपी वृद्धि दर्ज की। पिछले कुछ सालों में भारत के प्रदर्शन को लेकर जिंदल ने कहा कि हमने कोरोना से लेकर अब तक हर तरह की नकारात्मकता का सामना किया है। कोरोना के बाद पिछले पांच सालों में वैश्विक अर्थव्यवस्था स्पष्ट रूप से धीमी गति से गुजरी। बल्कि कुछ अर्थव्यवस्थाएं मंदी के दौर से भी गुजरी हैं, लेकिन फिर भी भारत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और वह किसी भी प्रतिस्पर्धी देश से कहीं ज्यादा तेज गति से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हमारे प्रतिस्पर्धी देशों में अमेरिका है, जो आकार में नंबर वन है, चीन दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जर्मनी तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और जापान पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। ऐसे में देखा जा सकता है कि हम पिछले पांच सालों से अपने सभी प्रतिस्पर्धियों से बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

अमेरिका को लेकर अर्थशास्त्री ने कहा कि जीडीपी के ताजा आंकड़े हमारे मजबूत नेतृत्व, अर्थव्यवस्था, घरेलू मांग और जनसांख्यिकी को दर्शाते हैं।

संक्षिप्त समाचार

गाम्बिया में प्रवासी नाव डूबने से 70 लोगों की दर्दनाक मौत

बेंजुल। पश्चिम अफ्रीका के तट पर एक बड़ा हादसा हुआ। गाम्बिया के विदेश मंत्रालय ने बताया कि एक प्रवासी नाव के पलट जाने से 70 लोगों की मौत हो गई। यह नाव गाम्बिया से रवाना हुई थी और इसमें मुख्य रूप से गाम्बिया और सेनेगल के नागरिक सवार थे। यह घटना मॉरिटानिया के तट के पास हुई। बता दें कि यूरोपीय संघ के आंकड़ों के मुताबिक पिछले साल 46,000 से ज्यादा अवैध प्रवासी इसी रास्ते से कैनरी द्वीप पहुंचे थे जबकि 10,000 से ज्यादा प्रवासियों की समुद्र में डूबकर मौत हो गई थी। गाम्बिया सरकार ने इस घटना के बाद अपने नागरिकों से अपील की है कि वे ऐसी जोखिम भरी यात्राओं से बचें जो लगातार लोगों की जान ले रही हैं। अधिकारियों के अनुसार नाव पर लगभग 150 लोग सवार थे जिनमें से केवल 16 लोगों को ही जीवित बचाया जा सका। यह हादसा अटलांटिक रूट पर हुआ जिसे दुनिया का सबसे खतरनाक प्रवासन मार्ग माना जाता है। इस रास्ते से हर साल हजारों लोग स्पेन के कैनरी द्वीपों तक पहुंचने की कोशिश करते हैं। इस बीच बीते 4 अगस्त को यमन के अदन की खाड़ी में एक और नाव हादसा हुआ था। इस हादसे में 54 लोगों की डूबकर मौत हो गई थी और 80 से अधिक लोग लापता हो गए थे। यह नाव 154 इथियोपियाई नागरिकों को लेकर बेहतर जीवन की तलाश में जा रही थी। संयुक्त राष्ट्र की माइग्रेशन एजेंसी ने बताया कि हादसे में 12 लोग ही बच पाए।

शाह पर अमर्यादित टिप्पणी मामले में टीएमसी सांसद महुआ पर रायपुर में एफआईआर

रायपुर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने को लेकर पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में एफआईआर दर्ज की गई है। सांसद ने यह बयान बीते दनिों पश्चिम बंगाल के नदिया जिले में आयोजित एक कार्यक्रम में दिया था। मोहबा बाजार, कोटा निवासी गोपाल सामंतो ने शनविार को माना रायपुर पुलिस में टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा के खिलाफ शिकायत दर्ज कराया था। पुलिस अधीक्षक के नाम से दी गई शिकायत में कहा कि, सांसद महुआ मोइत्रा ने देश के गृह मंत्री अमित शाह का गला काटकर मेज पर रखने की बात को सुनने के बाद से न केवल आहत हूं, बल्कि भयभीत और आतंकित भी हूं, यह पहला मौका है जब एक सांसद ने देश के गृह मंत्री के खिलाफ ऐसा बयान दिया हो। यह एक चेतावनी है उन सभी शांतिप्रिय नागरिकों के लिए कि जो भी बांग्लादेशी घुसपैठ की बात करेगा उसको अपनी प्राण की कीमत चुकानी पड़ेगी।

नई पीढ़ी के अत्याधुनिक युद्धक विमान बनाएगा अडानी समूह

कानपुर। अडानी समूह ने आपरेशन सिन्दूर में ड्रोन एवं अन्य रक्षा उपकरणों की गुणवत्ता साबित होने के बाद देश में पांचवीं पीढ़ी के अत्याधुनिक युद्धक विमान (एमका) के विकास के लिए भी दिलचस्पी जाहिर की है। करीब आठ साल पहले रक्षा उत्पादन क्षेत्र में कदम रखने वाले अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने छोटे हथियारों और कारतूस बनाने में तो वैश्विक मानकों के अनुरूप दर्जा प्राप्त किया ही है, साथ ही ड्रोन, मानव रहित युद्धक विमान, ड्रोन रोधी प्रतिरक्षा कवच तैयार करने में साख बनाई है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आशीष राजवंशी ने यहां पत्रकारों से बातचीत में बताया कि देश में अगली पीढ़ी के मध्यम श्रेणी के उन्नत युद्धक विमान बनाने के लिए रक्षा मंत्रालय ने अभिरुचि पत्र आमंत्रित किये हैं जिसकी अंतिम तिथि 30 सितंबर है। हिन्दुस्तान एयरोनॉटिकल्स लिमिटेड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स के साथ ही अडानी डिफेंस एंड एयरोस्पेस ने भी अभिरुचि जाहिर की है। उन्होंने कहा, देखिए, सरकार किसको मौका देती है।

पवित्र रिश्ता की अभिनेत्री प्रिया मराठे का निधन

मुंबई। मनोरंजन जगत से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। छोटे पर्दे की जानी-मानी और प्रतिभाशाली अभिनेत्री प्रिया मराठे अब हमारे बीच नहीं रहीं। 31 अगस्त को महज 38 वर्ष की आयु में उन्होंने मुंबई के मीरा रोड स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली। प्रिया मराठे लंबे समय से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रही थीं। बीते कुछ महीनों से उनकी तबीयत बिगड़ती चली गई। हाल ही में उन्हें मुंबई के एक निजी अस्पताल में भर्ती भी कराया गया था। तमाम कोशिशों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका और आखिरकार उन्होंने दुनिया को अलविदा कह दिया। उनके निधन की खबर ने पूरे टीवी इंडस्ट्री और उनके चाहने वालों को गहरे सदमे में डाल दिया है। प्रिया मराठे ने अपने करियर की शुरुआत मराठी टीवी शो चार दिवस सासुचे से की थी, जिसमें उनकी अभिनय प्रतिभा ने लोगों का ध्यान खींचा। इसके बाद वह एकता कपूर की मशहूर धारावाहिक कसम से का हिस्सा बनीं, जिसमें उनके काम की काफी प्रशंसा हुई। लेकिन दर्शकों के बीच असली पहचान उन्हें अंकिता लोखंडे के लोकप्रिय शो पवित्र रिश्ता से मिली। इस धारावाहिक में उनके निभाए किरदार ने उन्हें घर-घर तक पहुंचा दिया।

हिमाचल प्रदेश में कई जिलों में भारी बारिश, 11 जिलों में स्कूल बंद

रेड अलर्ट के बीच आसमान से बरसी आफत, भूस्खलन से 4 की मौत

शिमला ■ एजेंसी

हिमाचल प्रदेश में मानसून लगातार सक्रिय बना हुआ है और अगले दो दिनों तक कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला ने राज्य के अधिकांश जिलों के लिए चेतावनी जारी की है। कई जिलों में रेड अलर्ट जारी किया गया है और लोगों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है। विभाग ने साफ कहा है कि रेड अलर्ट वाले जिलों में लोग बिना जरूरत घर से बाहर न निकलें, नदियों-नालों और भूस्खलन संभावित स्थानों से दूरी बनाए रखें तथा अनावश्यक यात्रा से बचें। राज्य भर में भूस्खलन से 4 नेशनल हाइवे व 662 सड़कों पर आवागमन ठप हो गया है।

मौसम विभाग के अनुसार, एक सितंबर को ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, कांगड़ा, मंडी और सिरमौर जिलों में बहुत भारी वर्षा का रेड अलर्ट रहेगा। इन जिलों में बेहद सतर्क रहने की जरूरत है। शिमला, कुल्लु, चम्बा, किन्नौर और लाहौल-स्पीति में इस दिन भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट रहेगा।

दो सितंबर को चंबा, कांगड़ा, कुल्लू और मंडी जिलों में फिर से रेड अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने साफ कहा है कि यहां अत्यधिक भारी वर्षा से भूस्खलन और नदियों में अचानक जलस्तर बढ़ने का खतरा है। इस दिन शेष अधिकांश जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी रहेगा। तीन सितंबर को शिमला और सिरमौर में येलो अलर्ट रहेगा जबकि बाकी जिलों में मौसम सामान्य रहने की संभावना है। चार से छह सितंबर तक भी पूरे प्रदेश में मौसम साफ रहने का अनुमान है और किसी भी जिले के लिए कोई अलर्ट नहीं दिया गया है। मौसम विभाग ने कहा है कि इन दो दिनों के दौरान पहाड़ी जिलों में भूस्खलन, सड़कें बंद होने और यातायात प्रभावित होने जैसी समस्याएं आ सकती हैं। निचले जिलों में अचानक बाढ़ और जलभराव की स्थिति भी बन सकती है। इसलिए लोग सतर्क रहें, मौसम की जानकारी पर नजर बनाए रखें और सुरक्षित स्थानों पर ही ठहरें।

इस बीच लगातार हो रही भारी बारिश ने पूरे प्रदेश में जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। रविवार दिन भर राजधानी शिमला सहित कई जिलों में जोरदार वर्षा हुई, जिससे जगह-जगह भूस्खलन हुआ। सिरमौर जिला में सोमवार 1 सितंबर को सभी शिक्षण संस्थानों में अवकाश घोषित किया गया है। राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र के अनुसार प्रदेश में अब तक चार नेशनल हाईवे और 662 सड़कें बंद हो चुकी हैं। अकेले चंबा में 253, मंडी में 203, कुल्लू में 175, कांगड़ा में 61, शिमला में 69, सोलन में 30 और ऊना में 22 सड़कें बंद हैं। कुल्लू के दो और मंडी व सिरमौर के एक-एक नेशनल हाईवे पूरी तरह ठप हैं। भारी बारिश के चलते बिजली और पानी की आपूर्ति पर भी गहरा असर पड़ा है। प्रदेश में 985 ट्रांसफार्मर और 495 पेयजल योजनाएं ठप पड़ी हैं। कुल्लू में 332, चंबा में 296 और मंडी में 173 ट्रांसफार्मर बंद हैं, जबकि कांगड़ा, मंडी, शिमला और अन्य जिलों में पेयजल योजनाएं प्रभावित हुई हैं। मौसम विभाग के अनुसार बीते 24 घंटों में बिलासपुर जिले मलरान में 90 मिलीमीटर, नैना देवी में 82 मिलीमीटर और भटियात में 75 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। आपातकालीन परिचालन केंद्र की रिपोर्ट के मुताबिक इस मानसून सीजन में अब तक 320 लोगों की मौत हो चुकी है। मंडी में 51, कांगड़ा में 49 और चंबा में 36 लोगों की जान गई है। अब तक 4,098 घर क्षतिग्रस्त हो चुके हैं, जिनमें से 844 पूरी तरह ढह गए हैं। अकेले मंडी जिले में 1592 मकानों को नुकसान हुआ है। इसके अलावा 471 दुकानें और 3710 पशुशालाएं भी तबाह हो चुकी हैं। अब तक 3056 करोड़ रुपये की संपत्ति का नुकसान दर्ज किया गया है, जिसमें लोक निर्माण विभाग को 1707 करोड़, जलशक्ति विभाग को 1070 करोड़ और ऊर्जा विभाग को 139 करोड़ रुपये की क्षति उठानी पड़ी है। मॉनसून सीजन में परदेस में अब तक बादल फटने की 45, भूस्खलन की 95 और फ्लैश फ्लड की 91 घटनाएं हो चुकी हैं।

राज्यों में प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान के आकलन के लिए गृह मंत्रालय ने आईएमसीटीएस का किया गठन

नई दिल्ली ■ एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निर्देश पर गृह मंत्रालय ने हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और केन्द्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश, बाढ़, अचानक बाढ़, बादल फटने और भूस्खलन से हुए नुकसान के आकलन के लिए अंतर-मंत्रालयी केन्द्रीय दलों का गठन किया है। ये केन्द्रीय दल मौके पर जाकर स्थिति और राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे राहत कार्यों का आकलन करेंगे।

गृह मंत्रालय के अनुसार, केन्द्रीय दल अगले सप्ताह की शुरुआत में हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और जम्मू-कश्मीर के बाढ़ या भूस्खलन प्रभावित जिलों का दौरा करेंगे। दरअसल, मौजूदा मानसून सीजन के दौरान भारी से अत्यधिक भारी बारिश, अचानक बाढ़, बादल फटने और भूस्खलन की घटनाओं से बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। हिमाचल प्रदेश में पहले ही एक और एक बहु-क्षेत्रीय दल दौरा कर चुका है। इन केन्द्रीय दलों का नेतृत्व गृह मंत्रालय/राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के संयुक्त सचिव स्तर के वरिष्ठ अधिकारी करेंगे और इनमें व्यय, कृषि और किसान कल्याण, जल शक्ति, ऊर्जा, सड़क परिवहन और राजमार्ग, ग्रामीण विकास मंत्रालयों/विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं।

जब पत्नी सक्षम है और अच्छा वेतन कमा रही है, तो वह भरण-पोषण की हकदार नहीं

लखनऊ हाईकोर्ट का फैसला: 73 हजार सैलरी वाली पत्नी ने मांगा था गुजारा भत्ता

लखनऊ ■ एजेंसी

लखनऊ हाईकोर्ट की बेंच ने एक अहम पारिवारिक विवाद मामले में बड़ा फैसला सुनाया है. कोर्ट ने साफ कहा कि अगर पत्नी खुद अच्छी कमाई कर रही है तो उसे पति से गुजारा भत्ता नहीं मिल सकता. हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने उस आदेश को पलट दिया, जिसमें पारिवारिक न्यायालय ने पति को पत्नी को हर महीने 15 हजार रुपये भरण-पोषण के लिए देने का निर्देश दिया था।

दरअसल, मामला एक दंपति के बीच चल रहे विवाद से जुड़ा है. पति सॉफ्टवेयर इंजीनियर है और 1.75 लाख रुपये महीना कमाता है, जबकि

पत्नी भी सॉफ्टवेयर इंजीनियर है और उसे 73 हजार रुपये महीने की सैलरी मिलती है. इतना ही नहीं, पत्नी ने बख्शी का तालाब इलाके में 80 लाख रुपये से अधिक कीमत का फ्लैट भी खरीदा है। पति ने पारिवारिक अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में कहा था कि जब पत्नी सक्षम है और अच्छा वेतन कमा रही है, तो वह भरण-पोषण की हकदार नहीं हो सकती. कोर्ट ने इस दलील को सही माना और कहा कि पत्नी को 73 हजार रुपये वेतन मिलता है, इसलिए वह अपना खर्च खुद उठा सकती है।

न्यायमूर्ति सौरभ लवानिया की एकल पीठ ने यह फैसला सुनाते हुए साफ कहा कि पत्नी के लिए गुजारा भत्ता का आदेश त्रुटिपूर्ण था, लेकिन बच्चे के लिए भरण-पोषण देना पति की जिम्मेदारी है. कोर्ट का यह फैसला भविष्य में ऐसे कई पारिवारिक विवादों के लिए नजीर साबित हो सकता है।

पुतिन ने बढ़ाई अमेरिका की टेंशन कहा- टैरिफ ही नहीं कई समस्याओं का समाधान रखता है ब्रिक्स

बीजिंग ■ एजेंसी

टैरिफ के नाम पर समूची दुनिया से संबंध खराब कर रहा अमेरिका की अब फजीहत होना शुरु हो गई है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने साफ कह दिया कि भारत पर लगाया गया टैरिफ मनमाना कदम है। चीन में होने वाले एससीओ शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने तियानजिन पुतिन ने कहा कि चीन और रूस मिलकर ब्रिक्स को मजबूत बनाने और दुनिया के सामने 'नए विकल्प' पेश करने के लिए काम कर रहे हैं।

चीन के सरकारी मीडिया को दिए इंटरव्यू में पुतिन ने कहा दोनों देश भेदभावपूर्ण प्रतिबंधों के खिलाफ हैं। उनका यह निशाना सीधे तौर पर अमेरिकी टैरिफ पर है। उन्होंने कहा कि ये कदम सदस्य देशों और वैश्विक समुदाय के सामाजिक-आर्थिक विकास को रोक रहे हैं। यह बयान ऐसे वक्त आया है जब पुतिन चीन के तियानजिन शहर में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में हिस्सा

लेने पहुंचे हैं। 31 अगस्त से 1 सितंबर तक चलने वाले इस सम्मेलन के दौरान उनकी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से द्विपक्षीय मुलाकात भी तय मानी जा रही है। पुतिन ने कहा, 'हम चीन के साथ मिलकर ब्रिक्स को वैश्विक ढांचे का अहम स्तंभ बना रहे हैं। हमारा मकसद है कि सदस्य देशों के लिए आर्थिक अवसर बढ़ें और रणनीतिक क्षेत्रों में साझेदारी के लिए साझा प्लेटफॉर्म तैयार किए जाएं।' उन्होंने यह भी जोड़ा कि ब्रिक्स अब सिर्फ एक संगठन नहीं बल्कि 'वैश्विक चुनौतियों का हल निकालने वाला मंच' बनता जा रहा है, जहां सदस्य देश सुरक्षा और आर्थिक विकास पर एक जैसी राय रखते हैं। रूसी राष्ट्रपति ने इंटरव्यू में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थानों पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा, आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक में सुधार जरूरी है। हमें एक ऐसे नए वित्तीय सिस्टम की जरूरत है जो सच्ची समानता पर आधारित हो और सभी देशों को बराबरी का मौका दे। वित्त को औपनिवेशिक हथियार की तरह इस्तेमाल करना अब खत्म होना चाहिए।' दरअसल आईएमएफ और वर्ल्ड बैंक अमेरिका के नेतृत्व वाले पश्चिमी देशों की ओर से कंट्रोल होते हैं। इनमें बदलाव अमेरिका के लिए टेंशन वाली बात है। पुतिन ने कहा कि ब्रिक्स की सोच 'ग्लोबल मेजॉरिटी' यानी ग्लोबल साउथ के देशों के हितों के लिए है और इसी वजह से यह समूह लगातार लोकप्रिय होता जा रहा है। जी-20 में चीन की भूमिका की तारीफ पुतिन ने जी20 में चीन की भूमिका की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि रूस और चीन ने मिलकर जी20 का एजेंडा बदलने की दिशा में काम किया है,

इजरायल ने समीक्षा बैठक पर किया हवाई हमला हूती प्रधानमंत्री की मौत

गाजा ■ एजेंसी

इजरायल के हवाई हमलें में हूती प्रधानमंत्री की मौत हो गई। ये हमला उस वक्त हुआ जब प्रधानमंत्री एक समीक्षा बैठक कर रहे थे। ईरानी समर्थित हूती विद्रोही समूह बयान जारी करते हुए बताया कि गुरुवार को हुए एक हवाई हमले में प्रधानमंत्री अल-रहवी और कई अन्य मंत्री मारे गए। समूह के मुताबिक, यह हमला उस समय हुआ जब सरकार के अधिकारी एक कार्यशाला में भाग ले रहे थे, जिसमें पिछले एक साल में सरकार के प्रदर्शन की समीक्षा की जा रही थी। अल-रहवी अगस्त 2024 से हूती नेतृत्व वाली सरकार के प्रधानमंत्री के रूप में कार्यरत थे। बता दें कि इस साल मई में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने हूतियों के साथ एक समझौता किया था, जिसमें कहा गया था कि अगर हूती लाल सागर में जहाजों को निशाना बनाना बंद कर देंगे, तो

इज़राइल हवाई हमले रोकेगा। हालांकि, हूतियों ने कहा है कि यह समझौता उन्हें उन ठिकानों को निशाना बनाने से नहीं रोकता, जिन्हें वे इज़राइल से जुड़ा मानते हैं।

इज़राइली सेना ने हमले की पुष्टि करते हुए कहा कि उसने सना क्षेत्र में हूती आतंकवादी शासन के एक सैन्य ठिकाने को सटीक निशाना बनाकर हमला किया। गाज़ा में चल रहे युद्ध के दौरान, हूती समूह ने इज़राइल के खिलाफ मुखर समर्थन दिखाया है और कई मिसाइलों और ड्रोन के माध्यम से इज़राइल पर हमले किए हैं। हूतियों का कहना है कि ये हमले फ़िलिस्तीनियों के साथ एकजुटता में किए गए हैं। हालांकि, अधिकांश मिसाइलों को इज़राइली रक्षा प्रणालियों ने नष्ट कर दिया, लेकिन हूतियों ने अपने हमले जारी रखे।

तीन दिवसीय घोष शिविर का वैश्य कॉलेज में हुआ सफल समापन, 400 सेवकों ने सीखी अनुशासन और राष्ट्रभक्ति की साधना

संघ में घोष केवल वादन या मनोरंजन नहीं है, बल्कि यह एक साधना है : आलोक कुमार

संघ से स्वयंसेवकों में होता है राष्ट्रीय एकता, अनुशासन व चरित्र का निर्माण: संदीप चौधरी

चंडीगढ़ ■ एजेंसी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के तीन दिवसीय हरिनाद घोषवर्ग का रविवार को रोहतक के वैश्य कॉलेज में समापन हुआ। शिविर में 400 स्वयंसेवकों ने घोष साधना के माध्यम से अनुशासन, एकता और राष्ट्रभक्ति का प्रशिक्षण लिया। सह सरकार्यवाह आलोक कुमार और सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर संदीप चौधरी मुख्य वक्ता और मुख्यातिथि के रूप में शामिल हुए।

संघ के सह सरकार्यवाह आलोक कुमार ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि संघ में घोष केवल वादन या मनोरंजन नहीं है, बल्कि यह एक साधना है, जो मनुष्य को अनुशासन, समन्वय और राष्ट्रहित से जोड़ती है। उन्होंने वेद मंत्र सङ्गच्छध्वं संवदध्वं, सं वो मनांसि जानताम्। देवा भागं यथा पूर्वे, संज्ञानाना उपासते।। का उल्लेख करते हुए कहा कि जब सभी मिलकर एक साथ चलते हैं तो केवल कदम ही नहीं, बल्कि मन भी एक हो जाते हैं। यही घोष साधना का उद्देश्य है- राष्ट्र को एक दिशा में, एक मन होकर आगे बढ़ाना। आलोक कुमार ने कहा कि घोष केवल संगीत का माध्यम नहीं, बल्कि यह वीरता, पराक्रम और राष्ट्रनिर्माण की भावना का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि शंख, ढोल और रणभेरी जैसे वाद्ययंत्र प्राचीन काल से ही ऊर्जा, उत्साह और विजय के संदेशवाहक रहे हैं। युद्धभूमि में भी ये रणवाद्य वीरता और उमंग का संचार करते थे। संघ का घोष दल उसी गौरवशाली परंपरा को आज के समाज तक पहुंचा रहा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि समय के साथ विदेशी ब्रास बैंड का प्रचलन बढ़ा, लेकिन संघ के घोष में जो धुनें बजाई जाती हैं, वे भारतीय रागों पर आधारित होती हैं।

कार्यालय नगर पालिका परिषद् सीहोर जिला सीहोर (म.प्र)

प्रारूप-28
ई-निविदा सूचना
मध्यप्रदेश शासन

एन.आई.टी./7629/वि.शा./ई-टेण्डर   **सीहोर, दिनांक 28.08.2025**

निम्नलिखित निर्माण हेतु ठेकेदार और ख्याति फर्म्स से जो निविदा मानदंडो को पूरा करती हो ऑनलाईन बोली आमंत्रित हैं-

क्र.	क्र.सं./ पैकेज	आपूर्तियां	संभावित राशि	अमानत राशि	निविदा शुल्क
1	2025 _UAD _447768_1	INSTALLATION AND SUPPLY OF ELECTRIC ITEM ATTOWNHALL MUNICIPAL COUNCIL SEHORE	245000/-	2450/-	2000/-

1- इच्छुक बोलीदाता वेबसाईट http://mptenders.gov.in पर NIT देख सकते है।
2- बोली दस्तावेज सार्वजनिक अवकाश को छोड़कर दिनांक 11:00 (time) 29.08.2025 to 16:30 (time) 13.09.2025 तक ऑनलाईन क्रय किये जा सकते हैं।
3- NIT में संशोधन, यदि कोई होता है, तो केवल वेबसाईट पर प्रकाशित किया जाएगा। और समाचार पत्र में नहीं।

विकास प्रिंस राठौर
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद सीहोर

सुधीर कुमार
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद सीहोर

श्री हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष बने चंद्रशेखर तिवारी

397 मतों से तीवारी ने दी धुरंधरों को पटखनी, सभी कयास फेल

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राजधानी की धार्मिक-सामाजिक संस्था श्री हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष पद के चुनाव में चंद्रशेखर तिवारी विजयी हुए। इस चुनाव में सभी धुरंधारों के कयास फेल हो गए। हर बार भाजपा कांग्रेस के नाम पर मतदाता इधर उधर होते रहे परन्तु इस बार व्यापारियों और ब्रह्माण समाज का मत चंद्रशेखर तिवारी के पक्ष में एकतरफा वोट डाले गए।

गुफा मंदिर, लालघाटी स्थित मानस भवन परिसर दिनभर राजनीतिक हलचल और समर्थकों के नारों से गूंजता रहा। देर रात पूरी हुई मतगणना में चंद्रशेखर तिवारी ने 1679 मत पाकर निर्णायक बढ़त के साथ जीत दर्ज की। नारायण सिंह कुशवाह 1282 मतों के साथ दूसरे स्थान पर रहे। जबकि कैलाश बेगवानी को 1173, हेमंत कुशवाह को 886 और दीपेश श्रीवास्तव को 596 मत मिले।

मतदान में रही कड़ी व्यवस्थाएं

चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी बनाने के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी डॉ. पी.सी. कोठारी की देखरेख में कड़ी व्यवस्थाएं की गईं। मतदान के लिए सदस्यता कार्ड, आधार कार्ड अथवा फोटोयुक्त मतदाता पहचान पत्र अनिवार्य रखा गया। इस बीच प्रत्याशी हेमंत कुशवाह की पत्नी का वोट किसी अन्य व्यक्ति द्वारा डाले जाने को लेकर विवाद भी हुआ। मौके पर हेमंत समर्थकों ने हंगामा किया, लेकिन पुलिस और चुनाव समिति की समझाइश के बाद मामला शांत हो गया। बाद में समिति ने टेंडर वोट की व्यवस्था कराई।राजधानी में प्रतिष्ठित चुनाव को लेकर लंबे समय से उत्सुकता थी। मतदान में बड़ी संख्या में सदस्य पहुंचे और माहौल त्योहार जैसा रहा। देर रात आए नतीजों के बाद कहीं उत्साह तो कहीं निराशा देखने को मिली। विजयी चंद्रशेखर तिवारी के समर्थकों ने ढोल-नगाड़ों के साथ जश्न मनाया।

भगवान श्री अग्रसेन महाराज एवं कुलदेवी माता लक्ष्मी की 18वीं महाआरती 8 को

भोपाल ■ अमृत दर्शन

अग्रवाल समाज के आराध्य देव भगवान श्री अग्रसेन महाराज और कुलदेवी माता लक्ष्मी की महाआरती चैत्र नवरात्र 2024 से प्रारंभ की गई थी। जो कि महीने के प्रथम रविवार को अग्रसेन वाटिका, आईटीसी पार्क, कमला पार्क के सामने, भोपाल में आयोजित की जा रही है। अभी तक सतरहा महाआरती सम्पन्न हो चुकी है।

अठाहरवीं महाआरती सोमवार 8 सितंबर 2025 को सायं 6 बजे होगी। जिसकी जजमानी स्वास्ति-दिनेश अग्रवाल (शुभम डेवलपर्स एवं श्री प्रभाकर डेवलपर्स) भोपाल द्वारा की जा रही है।

मीडिया प्रभारी नितिन गुप्ता एवं विनीत अग्रवाल ने बताया कि इस बार रविवार को चंद्र ग्रहण होने के कारण आरती सोमवार को की जा रही है। भगवान श्री अग्रसेन महाराज जी के करूणामीय स्वभाव, एक ईंट-एक रूपया से समाजवाद के प्रथम प्रणेता, युग पुरूष, महादानी एवं राम राज्य के समर्थक के सिद्धांतों को अपनाकर एवं समाज के कल्याण की भावना के साथ ही बच्चों को भगवान श्री अग्रसेन महाराज जी के जीवन से प्रेरणा मिले, इसी उद्देश्य से महाआरती का आयोजन निरंतर किया जा रहा है।

समस्त अग्रबंधुओ से निवेदन है कि सपरिवार महाआरती में शामिल होकर प्रसाद अवश्य ग्रहण करें।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पुतला फूंका

आज प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के सामने एनएसयूआई द्वारा अक्षय तोमर के नेतृत्व में कल रतलाम में हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी पर हुए हमले को लेकर गुंडों का पुतला जलाया।

आये दिन हो रहे नए-नए खुलासे

तीन पीढ़ियों से चल रहे अवैध हथियार बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भोपाल क्राइम ब्रांच ने एक संगठित अंतर्राज्यीय अवैध हथियार नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। जांच में सामने आया कि टीकमगढ़ जिले में पिछले 35-40 वर्षों से अवैध हथियार निर्माण का कारोबार चल रहा था। इसमें एक ही परिवार की तीन पीढ़ियां इस अवैध हथियार बनाने में लिप्त थीं।

पुलिस आयुक्त भोपाल हरिनारायणाचारी मिश्र और अतिरिक्त पुलिस आयुक्त पंकज श्रीवास्तव के निर्देश पर शहर में अवैध हथियारों की तलाश की जा रही थी। क्राइम ब्रांच को सूचना मिली कि कुछ अपराधी वाहन चोरी और हथियार तस्करी से जुड़े हैं और निशातपुरा क्षेत्र में रह रहे हैं। दबिश में तीन संदिग्ध पकड़े गए। पूछताछ में मुख्तार खान नामक व्यक्ति के पास से पिस्टल बरामद हुई। उसने बताया कि यह हथियार उसने टीकमगढ़ निवासी सुरेंद्र विश्वकर्मा से खरीदा था। जानकारी के आधार पर क्राइम ब्रांच टीम ने टीकमगढ़ के ग्राम चंदेरी थाना कुडीला और ग्राम रामगढ़ थाना जतारा में दबिश दी। यहां से दो अवैध फैक्ट्रियां उजागर हुईं। जांच में पता चला कि सुरेंद्र विश्वकर्मा का परिवार दशकों से इस धंधे में शामिल है। हथियार बनाने के लिए कृषि उपकरण बनाने वाली लेथ मशीन का उपयोग किया जा रहा था।

आरोपी सुरेंद्र के पिता आनंदी विश्वकर्मा ने करीब 40 साल पहले यह काम शुरू किया था। दिखावे के लिए वह कृषि उपकरण बनाता था, लेकिन असली आय हथियारों से होती थी। बाद में उसने बेटों और पोते को भी इसी काम में लगा दिया। जेल जाने के बावजूद परिवार ने कारोबार बंद नहीं किया। हथियारों की बिक्री ज्यादातर उत्तर प्रदेश में की जाती थी। फैक्ट्री में सभी कलपुर्जे खुद बनते थे।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा सुख सागर, 6 पत्रकार नगर, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच. इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.) से मुद्रित। फोनः 4240007 फैक्स 0755-4296195, आर.एन.आई नं. 50259/90 डाक पंजीयन नं. म.प्र./भोपाल/86/24-26 न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। प्रधान संपादकः डी.पी.गोयल। मोबाईल नं. 9827054436 ।